▪ भाद्रपद शुक्ल - 11 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 41 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 03-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के पास दो मतदाता पहचान पत्र : भाजपा

6 मुस्कुराते बच्चे प्रफुल्लित राष्ट्र की पहचान

7 'क्या हिंदुओं के दर्द की बात करना गुनाह है?'

फर्स्ट टेक

रुपया पांच पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई/भाषा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपए पर दबाव बना रहा और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे गिरकर 88.15 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका के बढ़े हुए शुल्क को लेकर फैली अनिश्चितता के बीच रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है और इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों से लगातार विदेशी पूंजी की निकासी या डॉलर की मजबूती आगे भी रुपए की कमजोरी को बढ़ा सकती है।

किम जोंग उन सैन्य परेड में शामिल होने बीजिंग पहुंचे

सियोल (दक्षिण कोरिया)/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मंगलवार को ट्रेन से बीजिंग पहुंचे जहां वह चीन और रूस के अपने समकक्षों के साथ सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस बारे में जानकारी दी। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस सैन्य परेड से वे अमेरिका के विरुद्ध अपनी त्रिपक्षीय एकता प्रदर्शित करेंगे। किम और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन विश्व के उन 26 नेताओं में शामिल हैं जो बुधवार को बीजिंग में आयोजित होने वाली विशाल सैन्य परेड को देखने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शामिल होंगे। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और जापानी आक्रामकता के विरुद्ध चीन के प्रतिरोध की 80वीं वर्षगांठ पर हो रही है।

भारत ने सतलुज नदी में बाढ़ आने को लेकर पाकिस्तान को चेताया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सतलुज नदी में बुधवार को बाढ़ आने की 'अधिक आशंका' को लेकर पाकिस्तान को आगाह किया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उत्तरी राज्यों में लगातार बारिश के कारण प्रमुख बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ये अलर्ट 'मानवीय आधार' पर विदेश मंत्रालय के माध्यम से इस्लामाबाद को भेजे गए हैं। भारत ने पिछले सप्ताह तवी नदी में संभावित बाढ़ के लिए तीन अलर्ट जारी किए थे। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को जारी की गई चेतावनी बुधवार को सतलुज नदी में आने वाली संभावित बाढ़ को लेकर थी। पंजाब में सतलुज, व्यास और रावी नदियां और छोटी मौसमी नदियां अपने जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण उफान पर हैं।

सेमीकंडक्टर की हमारी यात्रा देरी से शुरू हुई, लेकिन

अब कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती

भारत बैकएंड से निकलकर पूर्ण शक्तिशाली सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर बढ़ रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भले ही सेमीकंडक्टर विनिर्माण में भारत की यात्रा देरी से शुरू हुई है, लेकिन अब कोई भी ताकत हमें रोक नहीं सकती।

मोदी ने यहां द्वारका स्थित यशोभूमि में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। साल 2021 में सेमीकॉन इंडिया की शुरुआत हुई थी और साल 2023 में पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए मंजूरी प्रदान की गयी। साल 2024 में और संयंत्रों को मंजूरी दी गयी और साल 2025 में पांच और परियोजनाएं मंजूर की गयीं। कुल 10 परियोजनाओं में 18 अरब डॉलर का निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा, भारत बैकएंड से निकलकर पूर्ण शक्तिशाली सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने की राह पर बढ़ रहा है। भले हमारी यात्रा देरी से शुरू हुई हो, लेकिन अब कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि टाटा और माइक्रोन ने टेस्ट चिप बनाने शुरू कर दिये हैं और पहला वाणिज्यिक चिप भी इसी साल बाजार में आ जायेगा।

प्रधानमंत्री ने घरेलू और विदेशी कंपनियों से इस क्षेत्र में निवेश का आह्वान करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार की नीति अल्पकालिक संकेत नहीं, दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, आपकी हर जरूरत हम पूरी करेंगे। वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में सेमीकंडक्टर डिजाइन करने वाली प्रतिभाओं में 20 प्रतिशत भारतीय है। देश के नवाचारों और स्टार्टअप कंपनियों से उन्होंने अपील की कि वे आगे आएं, सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है।

'स्थिरता एवं वृद्धि का प्रकाश स्तंभ' भारत : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अशांत वैश्विक समय के बीच भारत को '' स्थिरता एवं वृद्धि का प्रकाश स्तंभ '' बताया और वैश्विक उद्योग जगत के लोगों से देश के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर परिवेश में निवेश करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा, साढ़े तीन साल की छोटी सी अवधि में दुनिया भारत की ओर विश्वास से देख रही है। आज पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। एक इकाई की शुरुआती लाइन पूरी हो चुकी है... कुछ ही महीनों में दो और इकाइयां उत्पादन शुरू कर देंगी। उन्होंने कहा, हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं। वैश्विक नीतिगत उथल-पुथल ने भारी अनिश्चितता उत्पन्न कर दी है। इस अशांत समय में भारत स्थिरता एवं वृद्धि के प्रकाश स्तंभ के रूप में खड़ा है।

बैंक किसानों, गामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण को विशेष प्राथमिकता दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण हमारे बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कि समय पर और किफायती ऋण प्रदान करके, वित्तीय साक्षरता प्रदान करके और कृषि-तकनीक पहलों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं।

श्रीमती मुर्मु यहां सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थी। 'स्वदेशी बैंकिंग की विरासत 120 वर्षों का उत्सव' शीर्षक के इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल एन आर रवि , केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु सरकार की समाज कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण विभाग की मंत्री पी गीता जीवन उपस्थित थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी डिजिटल और ज्ञान-संचालित अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल परिवर्तन और उद्यमिता में बैंकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट सिटी तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र (एमएसएमई क्षेत्र) को विकास के इंजन में बदलने में बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे बैंकों को वंचित और हाशिये पर पड़े वर्गों की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए।

जीएसटी सुधार एक खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार एक खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, अनुपालन बोझ को कम करेंगे और छोटे व्यवसायों को फायदा पहुंचाएंगे। तमिलनाडु में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य नियमों को सरल बनाना,

अनुपालन लागत कम करना और स्टार्टअप्स तथा एमएसएमई के लिए एक अधिक सक्षम इकोसिस्टम का निर्माण करना है। वस्तु एवं सेवा कर की दरों को कम करने के लिए जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को होनी है। वित्त मंत्री ने सभी बैंकों से अपील की कि वे विकास को गति प्रदान करें और विश्वास का निर्माण करें। साथ ही कहा कि बैंकों को अपने ढांचे में अच्छा प्रशासन सुनिश्चित करना चाहिए और प्रत्येक रुपए को राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए।

वित्त मंत्री सीतारमण ने आगे कहा कि अप्रैल-जून में हमारी वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है और हमारी सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग 18 वर्षों में पहली बार अपग्रेड हुई है। पिछले 8 वर्षों में मुद्रास्फीति की दर में 1.15 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस साल राजकोषीय घाटा 4.42 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम जन धन जैसी योजनाओं ने बड़े स्तर पर बदलाव लाया है और इसमें 56 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले गए हैं।

तीन महिलाओं सहित 16 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में अलग-अलग स्थानों से तीन महिलाओं समेत 16 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि वे सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए विभिन्न इलाकों में विस्फोटक लगाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने जांगला, गंगालूर और बासागुडा पुलिस थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार नक्सलियों के पास से एक टिफिन बम और एक प्रेशर कुकर बम, एक संवर्धित विस्फोटक उपकरण(आईईडी) और अन्य सामान जब्त किया है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधियों की आयु 19 से 50 वर्ष के बीच है। उन्होंने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की अलग-अलग संयुक्त टीम इन अभियानों में शामिल थीं।

हद पार करने पर

हिमंत ने महमूद मदनी को दी गिरफ्तार किए जाने की चेतावनी

▪ मदनी और कथित अतिक्रमणकारी अब भाजपा को अच्छी तरह से जानते हैं और यह भी जानते हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी किसी से नहीं डरती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होजाई (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को अखिल भारतीय जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी को चेतावनी दी कि अगर वह ''हद पार करते हैं'' तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यहां एक आधिकारिक समारोह से इतर पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने कहा कि न तो वह मदनी से डरते हैं और न ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)। शर्मा ने साथ ही दावा किया कि मदनी को केवल कांग्रेस शासन के दौरान ही तवज्जो मिलती है। उन्होंने कहा, ''मदनी कौन हैं? क्या वह भगवान हैं? मदनी सिर्फ़ कांग्रेस के समय ही बड़ी-बड़ी बातें कर सकते हैं, भाजपा के समय में नहीं। अगर वह अपनी हदें पार करेंगे, तो मैं उन्हें सलाखों के पीछे डाल दूंगा। मैं मुख्यमंत्री हूं मदनी नहीं। मैं मदनी से नहीं डरता।''

दरअसल सोमवार को ग्वालपाड़ा में 'बेदखली' स्थलों का दौरा करने के बाद, मदनी ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता की और मांग की कि असम सरकार द्वारा किए जा रहे बेदखली अभियानों में उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए।

शर्मा ने उनके दौरे पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''मैंने उन्हें जाने दिया और यह देखने का मौका दिया कि अगर कोई ज़मीन पर अतिक्रमण करता है तो कितना बुरा हो सकता है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से अधिक हुई

जलालाबाद/एपी। अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से ज्यादा हो गई है और 3,000 लोग घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जीवित बचे लोगों की तलाश में इलाके में बचाव दल का तलाश अभियान जारी है। रविवार देर रात को पर्वतीय क्षेत्र में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से गांव तबाह हो गए और लोग घंटों मलबे में फंसे रहे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं। उन्होंने बताया, भूकंप के कारण कुछ इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं।

भारत-चीन संबंध पटरी पर लौट रहे हैं : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे तनाव कम होता जाएगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक में भारत-चीन सीमा मुद्दे के ''निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य''

समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता देते हुए व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने का संकल्प लिया।

गोयल से पत्रकारों ने पूछा कि अगर भारत और चीन अपने संबंधों को फिर से स्थापित कर रहे हैं, तो क्या पीएन3 में ढील की गुंजाइश है। इस पर उन्होंने कहा, यह एक एससीओ शिखर सम्मेलन था, जिसमें सभी एससीओ सदस्यों ने भाग लिया। गलवान में हमारे सामने एक समस्या थी, जिसके कारण हमारे संबंधों में थोड़ी तलखी आई थी। मुझे लगता है कि सीमा मुद्दों का समाधान होने के साथ ही स्थिति का सामान्य होना एक बहुत ही स्वाभाविक परिणाम है।

चीन से भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए सभी क्षेत्रों में वर्तमान में सरकारी अनुमोदन लेना अनिवार्य है। यह नीति अप्रैल, 2020 में प्रेस नोट 3 (पीएन3) के रूप में जारी की गई थी।

सूडान के दारफुर में विनाशकारी भूस्खलन से पूरा गांव तबाह, 1,000 से अधिक लोगों की मौत

काहिरा/एपी। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में विनाशकारी भूस्खलन ने एक गांव को तबाह कर दिया, जिसमें कम से कम 1,000 लोग मारे गए।

यह अफ्रीकी देश के पिछले कुछ साल के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। इस क्षेत्र पर नियंत्रण रखने वाले एक विद्रोही समूह ने सोमवार देर रात यह जानकारी दी।

सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने एक बयान में कहा कि यह त्रासदी अगस्त के अंत में कई दिनों की भारी बारिश के बाद मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों में स्थित तरासिन गांव में रविवार को हुई। बयान में कहा गया, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि गांव के सभी निवासियों की मौत हो गई है, जिनकी संख्या एक हजार से ज्यादा होने का अनुमान है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा

ट्रंप ने भारत को रूस की ओर वापस भेज दिया, चीन के करीब ला दिया

▪ ट्रंप ने कई ऐसे काम किए हैं जिनसे भारतीयों ने बुनियादी टैरिफ पर नाराजगी जताई है। व्यापक स्तर पर ये आर्थिक घटनाक्रम सभी के लिए एक ''आपदा'' है।

▪ ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत और शुल्क लगा दिया, (लेकिन) रूस पर नहीं, रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदार चीन पर भी शुल्क नहीं लगाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूस से दूर करने के पश्चिमी देशों के दशकों के प्रयासों को ''ध्वस्त'' कर दिया है।

बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ (शुल्क) नीतियों और हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के दावों ने स्थिति को और खराब कर दिया है। उन्होंने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पश्चिमी देशों ने दशकों तक, शीत युद्ध के दौर में (पूर्व) सोवियत संघ के साथ रहे भारत के जुड़ाव को कमतर करने की कोशिश की, और चीन से उत्पन्न खतरे के प्रति भी भारत को आगाह किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।''

स्काई न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में, बोल्टन ने विस्तार से बताया कि पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका ने, दशकों से भारत को रूस से दूर करने की कोशिश की है, उनसे अत्याधुनिक हथियार खरीदे हैं और चीन से उत्पन्न खतरे के प्रति नई दिल्ली को आगाह किया है। जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने 'क्वाड' समूह भी बनाया। उन्होंने कहा, ''भारत को इन देशों के साथ सहयोग के लिए और अधिक अनुकूल बनाने की खातिर काफी प्रयास किए गए। पिछले कुछ हफ्तों में डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रयास को पूरी तरह से उलट दिया है और अब कई कारणों से भारत को रूस की ओर वापस भेज दिया है ताकि वह चीन के साथ नजदीकी बढ़ा सके और दशकों से किए जा रहे प्रयासों को व्यर्थ कर दे।''

पूर्व एनएसए ने जोर देकर कहा कि हालांकि स्थिति को सुधारा जा सकता है, लेकिन इसके लिए काफी काम करने की जरूरत होगी, जो उन्हें निकट भविष्य में होता नहीं दिख रहा। बोल्टन ने कहा कि ट्रंप ने कई ऐसे काम किए हैं जिनसे भारतीयों ने बुनियादी टैरिफ पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि व्यापक स्तर पर ये आर्थिक घटनाक्रम सभी के लिए एक ''आपदा'' है। उन्होंने कहा कि भारत को लगा था कि वह वाशिंगटन के साथ विवाद सुलझाने के करीब है, लेकिन उस पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया गया। इसके बाद ट्रंप ने रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अपनी धमकी को जारी रखा।

सूर्यास्त	सूर्योदय
03-09-2025	04-09-2025
6:29 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
80,157.88	24,579.60
(-206.61)	(-45.45)

सोना	चांदी
10,637 रु.	122,001 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नेता गुण

नेता होते हैं बाजीगर,
मुद्दों से ध्यान बँटाने में।
होते हैं पूरे व्यापारिक,
रिश्तों को जोड़-घटाने में।
पूरे होते हैं क्रूर कुशल,
पथ कंटक दूर हटाने में।
जिस पर उनका दिल आ जाए,
पल लगता उसे पटाने में।।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार, मुख्यमंत्री ने कहा : स्थिति से निपटने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण, दिल्ली में यमुना नदी इस वर्ष पहली बार खतरे के निशान को पार कर गई। इसकी वजह से किनारे के कई निचले इलाकों में पानी घुस गया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार शाम चार बजे दिल्ली के पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर जलस्तर 206.03 मीटर दर्ज किया गया। इस पुल को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। इससे पहले, सुबह छह बजे यमुना नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर से काफी ऊपर 205.68 मीटर के स्तर पर पहुंच गई थी।

यमुना का उच्चतम जल स्तर 208.66 मीटर है, जो जुलाई 2023 में दर्ज किया गया था।

जल स्तर बढ़ने के मद्देनजर जिला पदाधिकारियों ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है तथा ओआरबी को यातायात के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

दिल्ली के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है, खतरे का निशान 205.33 मीटर है, तथा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने का कार्य 206.00 मीटर पर शुरू होता है।

केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया, जल स्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है। पूर्वानुमान के अनुसार जल स्तर में और वृद्धि हो सकती है।

अधिकारी के मुताबिक शाम चार बजे तक हथिनीकुंड बैराज से 1.53 लाख क्यूसेक और वजीराबाद बैराज से 78,700 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यमुना नदी उत्तराखंड से निकलती है और हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी के किनारे के इलाकों का जायजा लिया और कहा कि सरकार स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अधिकारियों ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, जब नदी ''निकासी स्तर'' के निशान को पार कर जाती है, तो जिला अधिकारियों द्वारा अस्थायी आश्रय, टेंट और भोजन एवं पानी की आपूर्ति जैसी व्यवस्था की जाती है। हरियाणा से रिकॉर्ड मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में अधिकारी 'हाई अलर्ट' पर हैं।

पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और बाढ़ के संभावित खतरों पर नज़र रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु है।

बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर शाम तक बढ़कर 206.41 मीटर तक पहुंचने का अनुमान है।

एमएसपी पर कपास की खरीद को सुव्यवस्थित करने के लिए 'कपास किसान' ऐप पेश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कपास किसान ऐप की शुरुआत की। यह भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा विकसित एक नया मोबाइल एप्लिकेशन है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत किसानों से कपास की निर्बाध खरीद की सुविधा प्रदान करता है।

यह नया मोबाइल ऐप किसानों को स्व-पंजीकरण, स्लॉट बुकिंग और भुगतान ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि यह ऐप किसानों द्वारा भुगतान ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है – जिससे कपास खरीद प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता, सुविधा और गति आती है। इस अवसर पर सिंह ने कहा कि यह किसान-प्रथम मोबाइल ऐप हमारे कपास उत्पादकों द्वारा कपास की बिक्री को आसान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, पंजीकरण से लेकर भुगतान ट्रैकिंग तक – प्रमुख चरणों को डिजिटल बनाकर, हम समय पर, पारदर्शी और निष्पक्ष एमएसपी संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। यह किसानों को किसी भी संकटग्रस्त बिक्री से बचाने और डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को गति देने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल विदेशियों को प्रवेश की अनुमति नहीं, स्थापित होंगे निरुद्ध शिविर

नई दिल्ली/भाषा। विदेशियों पर अगर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने का आरोप सिद्ध होता है तो उन्हें भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति देने से मना किया जा सकता है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि हाल ही में लागू किए गए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत प्रत्येक राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन विदेशियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से समर्पित निरुद्ध केंद्र या हिरासत शिविर स्थापित करेगा, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता।

गृह मंत्रालय ने कहा कि जो भी विदेशी किसी भी श्रेणी के वीजा के लिए आवेदन करता है, जिसमें प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारक के रूप में पंजीकरण भी शामिल है, उसे वीजा जारी करने वाली अथवा ओसीआई कार्डधारक के रूप में पंजीकरण प्रदान करने वाले प्राधिकरण को अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देने की अनुमति देनी होगी, और यह प्रक्रिया वीजा या पंजीकरण दिए जाने से पहले पूरी की जाएगी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि यदि भारत में अवैध प्रवासियों को पकड़ा जाता है, तो उन्हें निर्वासन (देश से वापस भेजे जाने) की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी होल्डिंग सेंटर या शिविर में रखा जाएगा और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

महाराष्ट्र ने हैदराबाद गजट पर आदेश जारी किया, मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र देने के लिए पैनल गठित

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को हैदराबाद गजट पर एक आदेश जारी किया और उन मराठों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने में मदद के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की जो खुद को कुनबी के रूप में मान्यता देने वाले दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में सक्षम हों।

सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग ने सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया है। यह आदेश कैबिनेट मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल और मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के बीच वार्ता में सफलता की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है। जरांगे मराठा समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर थे।

जीआर में कहा गया, हैदराबाद गजट में निहित ऐतिहासिक संदर्भों के अनुसार दस्तावेजों को सत्यापित करने और कुनबी जाति प्रमाणपत्र के लिए मराठा समुदाय के व्यक्तियों की पात्रता स्थापित करने के लिए एक समर्पित जांच प्रक्रिया अपनायी जाएगी। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक दावे का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन किया जाए।

मराठों के हित में समाधान निकाला गया, सरकार का ध्यान उनके कल्याण पर केंद्रित : देवेंद्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे के पांच दिन से जारी अनशन समाप्त करने के कदम की मंगलवार को सराहना की और कहा कि सरकार ने मराठा समुदाय के हित में समाधान ढूंढ लिया है। फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा मराठा समुदाय के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया है। कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनकी ज्यादातर मांगों को स्वीकार करने के बाद अपना अनशन खत्म कर दिया।

सरकार ने जरांगे की जिन मांगों को स्वीकार किया है, उसमें पात्र मराठाओं को कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्रदान करना भी शामिल है। इससे मराठा समुदाय के लोग ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण लाभ के पात्र हो जाएंगे। जरांगे (43) ने भाजपा के वरिष्ठ मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, जो मराठा आरक्षण पर मंत्रिमंडलीय उप-समिति के प्रमुख हैं, तथा समिति के अन्य सदस्यों द्वारा दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में दिया गया फलों का रस स्वीकार किया और इसके साथ ही उनका अनशन समाप्त हो गया। आजाद मैदान 29 अगस्त से जरांगे का आंदोलन स्थल था। इस बारे में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि उन्हें खुशी है कि जरांगे ने अपना अनशन खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, मैं उप-मुख्यमंत्रियों (एकनाथ शिंदे और अजित पवार) के साथ-साथ राधाकृष्ण विखे पाटिल को भी धन्यवाद देता हूं। फडणवीस ने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि जाति प्रमाण पत्र व्यक्तियों को दिया जा सकता है, समुदाय को नहीं। उन्होंने कहा कि जब आप राजनीति में हों, तो आलोचना से आपको विचलित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए काम किया है।

तेलंगाना के राज्यपाल के बेटे ने मुझे जान से मारने की धमकी दी: टीएमपी विधायक रियांग

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के विधायक फिलिप रियांग ने मंगलवार को तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के बेटे और तीन अन्य पर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए त्रिपुरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। टीएमपी त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की सहयोगी है, जबकि जिष्णु देव वर्मा राज्य के उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं।

अपनी शिकायत में रियांग ने दावा किया कि यह घटना सोमवार रात पश्चिमी त्रिपुरा के खजूर बागान इलाके में 'एमएलए हॉस्टल' के अंदर हुई, जो 'एक गहरी साजिश का हिस्सा है। टीएमपी विधायक ने 'न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) थाने में दर्ज करायी अपनी लिखित शिकायत में कहा,''मैं अपने परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत कर रहा था... (तभी) तीन व्यक्ति मेरे क्वार्टर की सीढ़ियों के पास आए और मुझे गलत तरीके से रोक लिया और हमारी पारिवारिक चर्चा में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। रियांग ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने उन्हें वहां से चले जाने को कहा, तो वे और आक्रामक हो गए।

'आईएसएम 2.0' सेमीकंडक्टर भागीदारों को भी शामिल करेगा: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के दूसरे संस्करण में न केवल चिप विनिर्माताओं, बल्कि उनके उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भागीदारों को भी शामिल किया जाएगा।

वैष्णव ने सेमीकॉन इंडिया-2025 में संवाददाताओं से कहा कि प्रोत्साहनों का एक बड़ा हिस्सा उत्पाद विकास के लिए निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा, देश में उत्पादन श्रृंखला के भागीदारों का आना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही स्थायी वृद्धि का रास्ता है। मंत्री ने भारत सेमीकॉन कार्यक्रम के अगले संस्करण पर एक सवाल के जवाब में कहा, सभी क्षेत्रों को शामिल करने की जरूरत है। हम इसी नजरिये को आगे बढ़ाएंगे और उपकरण निर्माताओं, सामग्री निर्माताओं और अन्य सभी भागीदारों की भरपूर सहायता करेंगे। भारत सेमीकंडक्टर मिशन के पहले संस्करण के तहत सरकार ने 76,000 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन को मंजूरी दी थी, जिसमें चिप उत्पादन के लिए 65,000 करोड़ रुपए, मोहाली में सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए 10,000 करोड़ रुपए और डिजाइन से जुडी प्रोत्साहन योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए शामिल हैं।

एप्पल ने बेंगलूरु में अपना पहला खुदरा स्टोर खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एप्पल ने मंगलवार को बेंगलूरु में अपना पहला खुदरा स्टोर खोला। यह कंपनी का दक्षिण भारत में पहला और देश में तीसरा स्टोर है। कंपनी ने बयान में कहा कि 'एप्पल हेब्बाल' नाम का यह स्टोर ग्राहकों को एप्पल उत्पादों, सेवाओं और सहायता की पूरी श्रृंखला के साथ ही नि:शुल्क टुडे एट एप्पल' सत्र की सुविधा भी देगा। इस सत्र की मदद से उपयोगकर्ताओं को अपने उपकरणों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

एप्पल ने अपने ऑनलाइन मंच के अलावा मुंबई में अपना पहला भारतीय स्टोर 'एप्पल बीकेसी' खोला था। उसके बाद दिल्ली में 'एप्पल साकेत' की शुरुआत हुई। एप्पल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (खुदरा और जनसमूह) डिएड्र ओ'ब्रायन ने कहा, ''हमें एप्पल हेब्बाल खोलकर खुशी हो रही है, जो बेंगलूरु की नवाचार की भावना का जश्न मनाने वाला एक सामुदायिक केंद्र है।'' ओ'ब्रायन ने आगे कहा, ''हम यहां लोगों से जुड़ने और उन्हें एप्पल के साथ मिलकर अद्भुत चीजें बनाने में सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं। हम भारतीय ग्राहकों तक एप्पल के अनुभव पहुंचाते रहने के लिए उत्साहित हैं, जो अपनी रचनात्मकता और जुनून से हमें प्रेरित करते हैं।'' एप्पल हेब्बाल में ग्राहक नए उत्पादों का आनंद ले सकते हैं, जिनमें आईफोन 16, एम4 चिप से संचालित मैकबुक प्रो, एप्पल पेंसिल प्रो के साथ आईपैड एयर, एप्पल वॉच सीरिज 10, एयरपॉड 4 और एयरटैग शामिल हैं। स्टोर के 70 सदस्य भारत के 15 राज्यों से हैं और ग्राहकों को व्यक्तिगत सुझाव देने, आईओएस को अपनाने, वित्तपोषण के विकल्पों के बारे में मदद करने के लिए प्रशिक्षित हैं। एप्पल ने कहा कि नया स्टोर 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित है।

कालेश्वरम परियोजना में 'अनियमितताओं' की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश जारी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार ने पूर्ववर्ती बीआरएस शासन के दौरान निर्मित कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने परियोजना पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट पर लंबी चर्चा के बाद सोमवार को विधानसभा में कालेश्वरम परियोजना मुद्दे की सीबीआई जांच की घोषणा की थी।

एक सितंबर के शासकीय आदेश के अनुसार, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की रिपोर्ट, जांच आयोग के निष्कर्षों, कालेश्वरम परियोजना के मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज के निर्माण और घाटों के डूबने के मामले में विधानसभा में लिए गए निर्णय के मद्देनजर, तेलंगाना सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना सरकार आरोपों की जांच के लिए सीबीआई को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। राज्य सरकार ने लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों, कंपनियों सहित सभी आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ कालेश्वरम परियोजना के मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराज के निर्माण में अनियमितताओं के आरोपों की जांच करने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने के बारे में एक अधिसूचना प्रकाशित की। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना, भूपालपल्ली जिले में गोदावरी नदी पर बहुउद्देश्यीय परियोजना है।

सिंधिया ने इशारों में कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

''चरित्रहीन हो चुका है वह दल''

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द इस्तेमाल किए जाने की निंदा करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कांग्रेस पर इशारों में निशाना साधा और कहा कि यह दल चरित्रहीन हो चुका है।

सिंधिया ने बिहार के इस विवादास्पद घटनाक्रम के बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर कांग्रेस का नाम लिए बगैर इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि वह दल चरित्रहीन हो चुका है। उन्होंने कहा, राजनीति हो या जीवन, इसमें कुछ स्तर होता है। जब स्थिति स्तरहीन हो जाती है और सभी सीमाओं का उल्लंघन होता है, तब उस संगठन या उस व्यक्ति या उस दल की क्या स्थिति हो जाती है, यह देश की जनता ने उसे (कांग्रेस) दिखा दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम अपने देश को भारत माता कहकर संबोधित करते हैं। ऐसे में एक मां के लिए गलत शब्दों का उपयोग किए जाने की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत खुद को 'विश्वगुरु' के तौर पर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन आज भी भारत के अंदर कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो देश के अस्तित्व को मिटाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपने हजारों साल के इतिहास में हमेशा ऐसी शक्तियों को परास्त करके एक नक्षत्र के रूप में उभरा है और आगे भी इसी तरह एक नक्षत्र के रूप में उभरता रहेगा। सिंधिया ने संवाददाताओं के साथ बातचीत से पहले, भाजपा के इंदौर कार्यालय में सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की हालिया चीन यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी ने समूचे विश्व समुदाय को भारत की शक्ति, क्षमता और आत्मनिर्भरता से परिचित करा दिया है। सिंधिया ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 7.80 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचने का हवाला दिया और कहा, ''हम जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गए हैं और वर्ष 2027 तक जर्मनी को भी पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे।

उकसाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में दो लोगों पर मामला दर्ज

मंगलूरु। बेलथांगड़ी में दो अलग-अलग मामलों में कार्यकर्ता गिरीश मट्टन्नवर और महेश शेट्टी थिमारोडी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से साम्प्रदायिक सौहार्द भंग करने वाले और सार्वजनिक भावनाओं को आहत करने वाले वीडियो प्रसारित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह मामला पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कथित तौर पर बलात्कार की कई घटनाओं, हत्या और शवों को दफनाने के आरोपों की विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच किए जाने की पृष्ठभूमि में सामने आया है। पूर्व सफाईकर्मी चिन्नैया की शिकायत के बाद एसआईटी ने जांच शुरू की थी। चिन्नैया को बाद में झूठे बयान देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने धर्मस्थल की छवि को खराब करने की साजिश का आरोप लगाया था। बाद में भाजपा ने भी सोशल मीडिया पर धर्मस्थल तीर्थ स्थल को बदनाम करने के लिए साजिश और अभियान चलाने का आरोप लगाते हुए एनआईए या सीबीआई जांच की मांग की। इसी संदर्भ में इन दोनों कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायतें दर्ज करवाई गई हैं। पहली शिकायत 30 अगस्त को धर्मस्थल के प्रवीन केआर ने दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि गिरीश मट्टन्नवर ने महेश शेट्टी थिमारोडी और अन्य के साथ मिलकर बेलथांगड़ी में ब्लॉगर्स को बुलाया तथा कई दिनों तक सोशल मीडिया पर झूठे और भड़काऊ वीडियो फैलाए। शिकायत में कहा गया है कि ये वीडियो सांप्रदायिक सौहार्द भंग करने के लिए सोशल मीडिया पर डाले गए थे।

जीएसटी में कटौती से खपत बढ़ेगी, उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ : विप्रो कंज्यूमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग को प्रस्तावित जीएसटी सुसंगतिकरण के तहत उपभोक्ता वस्तुओं पर कर में संभावित कमी के साथ चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में उपभोक्ता मांग में सुधार होने की उम्मीद है।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनीत अग्रवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी, जो संतूर, चंद्रिका, यार्डली और ब्राह्मण्स जैसे ब्रांड के साथ पर्सनल केयर से लेकर खाद्य क्षेत्र में निरपारा तक, एफएमसीजी उत्पाद बेचती है, जीएसटी में कटौती का लाभ अपने उपभोक्ताओं को देगी। अग्रवाल, जो विप्रो एंटरप्राइजेज के प्रबंध निदेशक भी हैं, ने कहा, हां, हमें अपी सभी उत्पाद श्रेणियों में जीएसटी में कटौती का लाभ अपने ग्राहकों तक पहुंचाना चाहिए। कुछ श्रेणियों में जीएसटी स्लैब को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने के बाद, जब उत्पाद सस्ते हो जाते हैं, तो उपभोक्ताओं की जेब से खर्च कम हो जाता है। उन्होंने कहा, उपभोक्ताओं का खर्च कम होने से उनके पास अन्य श्रेणियों में खर्च करने के लिए अधिक पैसा बचेगा। इसलिए, मुझे स्पष्ट रूप से उम्मीद है कि जीएसटी कम होने के साथ मांग बढ़ेगी।

अग्रवाल ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति के कारण एफएमसीजी उद्योग चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था में सुधार होगा, उपभोक्ताओं की आय बढ़ेगी जिससे वे अधिक खर्च कर सकेंगे। अग्रवाल ने कहा, मुझे लगता है कि तीन चीजें – यह देखते हुए कि जीएसटी तर्कसंगत हो जाएगा और आम तौर पर मुद्रास्फीति कम हो गई है – अच्छा मानसून, उपभोक्ता धारणा में मदद करेंगी। हमें उम्मीद है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, मांग में सुधार होगा। अग्रवाल दो दशक से अधिक समय तक विप्रो के उपभोक्ता व्यवसाय का नेतृत्व करने के बाद अगले साल सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग ने दिसंबर, 2022 में निरपरा और अप्रैल, 2023 में ब्राह्मण्स का अधिग्रहण करके पैकेट बंद खाद्य उद्योग में प्रवेश किया। वर्तमान जीएसटी व्यवस्था के तहत, खाद्य पदार्थों सहित उपभोक्ता वस्तुएं 18 प्रतिशत कर स्लैब के अंतर्गत आती हैं।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी स्वतंत्र जांच कर रही, भाजपा राजनीति कर रही है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्मस्थल मामले में राजनीति करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले में तथ्यों की पुष्टि के लिए स्वतंत्र जांच कर रहा है और उनकी सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर रही। सिद्दरामय्या ने मामले की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने की मांग कर रही भाजपा से सवाल किया कि क्या उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा नहीं है। उन्होंने विपक्षी पार्टी की 'धर्मस्थल चलो' रैली को ''राजनीतिक'' करार दिया।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह धर्म यात्रा नहीं, बल्कि राजनीतिक यात्रा है। एसआईटी मामले की जांच कर रही है, क्या उन्हें (भाजपा को) हमारी पुलिस पर भरोसा नहीं है? वे एनआईए जांच की मांग कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने स्वयं एसआईटी जांच का स्वागत किया है ताकि सच सामने आए और संदेह से मुक्ति मिल सके।'' उन्होंने कहा कि एसआईटी की जांच जारी है और सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर रही। उन्होंने कहा, ''यह स्वतंत्र रूप से किया जा रहा है, सच्चाई सामने आनी चाहिए और लोगों को सच्चाई पता चलनी चाहिए।''

भाजपा ने मंदिर नगरी के खिलाफ कथित साजिश और बदनामी अभियान की निंदा करने के लिए सोमवार को ''धर्मस्थल चलो'' रैली निकाली। भाजपा मामले की एनआईए से जांच कराए जाने की मांग कर रही है। भाजपा ने मामले से निपटने के तरीके को लेकर कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा है। धर्मस्थल के खिलाफ साजिश के लिए विदेशी वित्तपोषण के भाजपा के आरोप से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा, यह सब करने के लिए भाजपा को पैसा मिलता है, पैसा कहां से आ रहा है? उन्हें धन कौन दे रहा है। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''विपक्षी दल होने के नाते उन्हें सरकार की आलोचना करने दीजिए लेकिन हर चीज का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। वे राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं। वे जो कर रहे हैं या बोल रहे हैं, उसमें कोई सच्चाई नहीं है।'' उन्होंने कहा कि उन्हें विदेशी वित्तपोषण के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जांच से सच सामने आने दीजिए।'' विपक्ष के नेता आर अशोक जैसे भाजपा नेताओं के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि मामले का शिकायतकर्ता सी एन चिन्नैया कांग्रेस की साजिश का हिस्सा है, सिद्दरामय्या ने कहा कि भाजपा नेता रोजाना अलग-अलग दावे कर रहे हैं। उन्होंने इन दावों को झूठा बताया।

चिन्नैया को झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब चिन्नैया ने दावा किया था कि उसने पिछले दो दशक में धर्मस्थल में कई शवों को दफनाया है- जिनमें से कई के शरीर पर यौन उत्पीड़न के निशान मिले। राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने तब से चिन्नैया द्वारा चिह्नित धर्मस्थल के वन क्षेत्रों में नेत्रवती नदी के किनारे कई जगहों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने बताया कि दो जगहों से कंकाल बरामद किए गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या 2012 में धर्मस्थल में 17 वर्षीय एक छात्रा के बलात्कार और हत्या के आरोपों की पुनः जांच की जाएगी, सिद्दरामय्या ने कहा कि यह पीड़िता की मां और परिवार पर निर्भर है कि वे इस बारे में निर्णय लें और अदालत में जाएं।

एक महिला ने यह दावा किया है कि छात्रा का अपहरण हुआ था और उसने यह सब देखा था। इस संबंध में पूछे जाने पर कि क्या इस दावे की जांच की जाएगी, मुख्यमंत्री ने कहा, जब सीबीआई ने जांच की थी, तब उसने यह बात क्यों नहीं कही। उन्होंने कहा, ''जानकारी होने पर भी सच्चाई और सबूत छिपाना अपराध है।''

धर्मस्थल विवाद में शामिल कार्यकर्ता आरएसएस-भाजपा से जुड़े हैं : प्रियंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दो कार्यकर्ता गिरीश मत्तनवर और महेश शेट्टी टिमरोडी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े हैं। सूत्रों ने बताया कि ऐसा आरोप है कि धर्मस्थल विवाद के पीछे इन दोनों लोगों का दिमाग है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने और जनभावनाएं आहत करने वाले वीडियो बनाने तथा उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में मत्तनवर और टिमरोडी के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि टिमरोडी आरएसएस से हैं।

खरगे ने कहा, ''कर्नाटक विधानसभा में उन्होंने (भाजपा ने) किसके खिलाफ बोला? क्या वह महेश शेट्टी टिमरोडी नहीं था? यह व्यक्ति आरएसएस से है। आरएसएस भाजपा का गुरु है। ये लोग आरएसएस, विहिप (विश्व हिंदू परिषद) और बजरंग दल में पले-बढ़े हैं।'' मंत्री ने मत्तनवर के बारे में कहा, ''वह भारतीय

जनता युवा मोर्चा (जिला) के अध्यक्ष हैं। वह यादगीर जिले के गुरमितकल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार थे। उन्हें भाजपा का बी-फॉर्म जारी किया गया था। आज, वे (टिमरोडी और मत्तनवर) उनके (धर्मस्थल) खिलाफ बोल रहे हैं। तो यह किसकी साजिश है?''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के अनुसार, धर्मस्थल विवाद आरएसएस में गुटबाजी का नतीजा है। खरगे ने कहा, ''यह 'आरएसएस बनाम आरएसएस' का मामला है। अब वे सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा को समझ नहीं आ रहा कि उसे आरएसएस के किस धड़े से संपर्क करना चाहिए। आरएसएस में दो धड़े हैं। उन्हें (भाजपा को) समझ नहीं आ रहा कि अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्हें किसके पैर पकड़ने चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी कुर्सी बचाने के लिए 'चामुंडेश्वरी चलो' और 'धर्मस्थल चलो' जैसे अभियान चला रही है।

खरगे ने भाजपा नेताओं से 'चामुंडेश्वरी चलो' और 'धर्मस्थल चलो' तक सीमित न रहने की सलाह देते हुए कहा कि वे कर्नाटक के साथ केंद्र सरकार के अन्याय के खिलाफ कन्नड़ लोगों के पक्ष में आवाज उठाने के लिए कभी-कभार 'दिल्ली चलो' रैली भी निकालें। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) वह सब कर रहा है जो वैज्ञानिक रूप से जरूरी है।

मंत्री ने 'चामुंडेश्वरी चलो' के संबंध में सवाल किया कि अगर बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक दशहरा समारोह का उद्घाटन करती हैं तो इसमें क्या गलत है।

उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध कन्नड़ साहित्यकार निसार अहमद ने भी इसका उद्घाटन किया था। खरगे ने दावा किया कि भाजपा ने ही पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम को आमंत्रित किया था, लेकिन वह नहीं आ सके। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा ने कलाम को उनके मुस्लिम होने के कारण आमंत्रित किया था या उनकी योग्यता तथा राष्ट्र, समाज और राज्य के प्रति उनके योगदान के कारण।

भारतीय सेना ने 85 एनसीसी कैडेटों के लिए आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय सेना के गोरखा एंफीबियंस ने एनसीसी एक्सचेंज पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन (ईएक्सपीए) के सहयोग से 30 और 31 अगस्त को बनासवाड़ी सैन्य गैरीसन में कैडेट कार्यशाला का आयोजन किया।

इस पहल से 85 एनसीसी कैडेटों को लाभ मिला, जो वर्तमान में गैरीसन में 10 दिवसीय आर्मी अटैचमेंट कैंप में भाग ले रहे हैं।

कार्यशाला में संवाद, सृजनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव सत्र और गतिविधि-आधारित शिक्षण को शामिल किया गया। आत्मविश्वास और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए इस कार्यक्रम ने कैडेटों को भविष्य की चुनौतियों का सामना लचीलेपन और दूरदर्शिता के साथ करने के लिए नया नजरिया दिया।

इस अवसर पर गैरीसन कमांडर कर्नल यश अग्रवाल ने कहा, 'यह पहल भारतीय युवाओं की योग्यता को आकार देने के लिए सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसमें सैनिकों के अनुशासन को नवाचार की भावना के साथ मिश्रित करना तथा राष्ट्रीय सेवा के लिए जरूरी मूल्यों और कौशल को विकसित करना शामिल है।'

डीआरआई ने सोना तस्करी मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के एक मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का

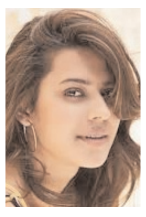

जुर्माना लगाया है। डीआरआई सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रान्या राव के साथ ही डीआरआई ने होटल व्यवसायी तरुण कोंडाराजू पर 63 करोड़ रुपये और आभूषण कारोबारियों साहिल सकारिया जैन और भरत कुमार जैन पर 56-56 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

मंगलवार को डीआरआई अधिकारी बेंगलूरु सेंट्रल जेल पहुंचे और उनमें से प्रत्येक को 250-पृष्ठ का नोटिस और 2,500-पृष्ठ का अनुलग्नक सौंपा। डीआरआई के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सहायक दस्तावेजों के साथ विस्तृत नोटिस तैयार करना एक कठिन काम था। आज हमने आरोपियों को 11,000 पृष्ठों के दस्तावेज सौंपे। डीआरआई सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री को तीन मार्च को दुबई से आने पर बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया था। रान्या राव पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी के रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। अभिनेत्री को इस वर्ष जुलाई में सोने की तस्करी के मामले में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी रोकथाम अधिनियम के तहत एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई थी। डीआरआई सूत्रों ने बताया कि इस अधिनियम से संबंधित मामला मंगलवार को उच्च न्यायालय में आया, जिसने इसे 11 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया।

सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए विशेष पौष्टिक भोजन का शुभारंभ

स्वास्थ्य विभाग ने इस्कॉन के साथ पौष्टिक भोजन वितरण के लिए किया समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य में पहली बार, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मंगलवार को सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की एक परियोजना का शुभारंभ किया। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को एक ही प्रकार के साधारण भोजन के बजाय आवश्यक पोषण प्रदान करने वाला भोजन उपलब्ध कराने की एक परियोजना लागू की है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मंगलवार को यहां के सीवी रमन नगर अस्पताल में मरीजों को भोजन वितरित करके 'विशेष पौष्टिक भोजन' परियोजना का शुभारंभ किया। बाद में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि उपचार के साथ-साथ पौष्टिक भोजन का सेवन भी मरीजों के स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस परियोजना के माध्यम से, मरीजों की विशिष्ट पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने वाला भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। चूँकि मरीजों की पोषण संबंधी ज़रूरतें उनकी स्वास्थ्य स्थिति और उम्र के अनुसार अलग-अलग होती हैं, इसलिए एक ही प्रकार का भोजन सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता है। आहार को पूरी तरह से संशोधित किया गया है और मरीजों की चिकित्सा आवश्यकताओं के आधार पर भोजन को विभाजित किया गया है।

पहले चरण में, बेंगलूरु के केसी जनरल अस्पताल, जयनगर और सीवी रमन नगर सरकारी सार्वजनिक अस्पतालों में भर्ती मरीजों को प्रतिदिन विशेष पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने इस्कॉन के साथ साझेदारी में इस योजना को लागू किया है और आने वाले दिनों में राज्य के सभी सरकारी जिला अस्पतालों में पौष्टिक भोजन का वितरण शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत सामान्य आहार के अलावा, एक चिकित्सीय आहार भी तैयार किया गया है। इस आहार को पाँच मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है: गर्भावस्था आहार योजना, स्तनपान आहार योजना और बाल चिकित्सा आहार योजना।

रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विशेष रूप से चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन की गई इस योजना के तहत, प्रत्येक अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 250 रोगियों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए इस्कॉन के साथ एक समझौता किया गया है।

इसके लिए, 9 महीने की अवधि के लिए 1,37,45,700 का खर्च स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इस योजना के तहत, रोगियों को दैनिक भोजन - नाश्ता, सुबह और शाम का नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदू-मुस्लिम का नहीं, बल्कि भारतीय-विदेशी का है : अमीश त्रिपाठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध लेखक अमीश त्रिपाठी ने यहां अपनी नई किताब 'द चोल टाइगर्स' के विमोचन के अवसर पर कहा कि इतिहास ने हमें राम जन्मभूमि को गलत नजरिए से देखना सिखाया है; यह हिंदू-मुस्लिम नहीं, बल्कि भारतीय-विदेशी का मुद्दा है। बेंगलूरु इंटरनेशनल सेंटर में एक सितंबर को आयोजित विमोचन समारोह में 'टीमलीज सर्विसेज' के अध्यक्ष और सह-संस्थापक मनीष सभरवाल के साथ बातचीत में, त्रिपाठी ने याद किया कि जब वह भारत के सबसे महान जीवित पुरातत्वविदों में से ''एक'' और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, के. के. मोहम्मद का उनके एक वृत्तचित्र के लिए साक्षात्कार कर रहे थे, तो उन्हें यह दृष्टिकोण देखने को मिला।

त्रिपाठी ने कहा, ''मोहम्मद साहब ने मुझसे कहा, बाबर एक उज्बेक था, मैं एक भारतीय मुसलमान हूं, मेरा उससे क्या लेना-देना'?'' और उन्होंने कहा, ''हम राम जन्मभूमि मंदिर को गलती से हिंदू-मुस्लिम मुद्दे के रूप में देख रहे हैं। यह एक भारतीय-विदेशी मुद्दा है। एक विदेशी ने हमारे एक पूजा स्थल पर हमला किया। इसे देखने का यही तरीका है।'' त्रिपाठी ने कहा, इतिहास पर्यवेक्षकों के पूर्वाग्रह और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से प्रभावित होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को ईसाई आक्रमण नहीं कहा जाता लेकिन तुर्की औपनिवेशिक शासन को इस्लामी आक्रमण कहा जाता है। उन्होंने कहा, ''क्या आप लोगों ने कभी इस बारे में सोचा है? अगर आप वास्तव में इसके बारे में सोचें तो यह बहुत शरारतपूर्ण है। यह लगभग ऐसा है जैसे जो एक भारतीय-विदेशी मुद्दा था उसे बहुत शरारतपूर्ण तरीके से हिंदू-मुस्लिम मुद्दे में बदल दिया गया है। मैं समझ सकता हूं कि ब्रिटिश राज ऐसा क्यों करना चाहता था। हमारे अपने इतिहासकारों ने 1947 के बाद भी इसे क्यों जारी रखा?'' हिंदू और भारतीय मुसलमान दुश्मन नहीं हैं, इस विचार को दोहराते हुए त्रिपाठी ने कहा कि उन्होंने 'द चोल टाइगर्स' में यह दिखाया कि महमूद गजनवी द्वारा भगवान सोमनाथ मंदिर पर किए गए हमले का बदला लेने वाले उनके पात्र हिंदू और मुसलमान दोनों हों, जो 1025 ईसवी में घटित होता है।

त्रिपाठी ने कहा, ''तो, 'द चोल टाइगर्स' में, राजेंद्र चोल के नेतृत्व में, पूरे भारत से योद्धा गजनी जाते हैं। इस दल में एक महिला भी है। हिंदू और मुसलमान दोनों हैं जो भारत के लिए जबरदस्त लड़ाई लड़ते हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी पुस्तक के संवाद भी इस विचार को पुष्ट करते हैं। त्रिपाठी ने कहा, ''मैंने अपनी पुस्तक में एक पंक्ति का प्रयोग किया है। यह मेरी मातृभाषा की एक कहावत का रूपांतरण है। कौरव 100 हो सकते हैं, पांडव पांच हो सकते हैं। लेकिन अगर कोई बाहरी आता है, तो हम 105 हो जाते हैं। यही हमारा दृष्टिकोण होना चाहिए।'' मशहूर युवा लेखक ने कहा कि धर्म और पहचान जैसे संभावित रूप से विवादास्पद विषयों पर लिखने के बावजूद, वह भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और सच्ची श्रद्धा के साथ विषयों पर विचार करते हुए विवादों से बचते हैं। उन्होंने कहा, ''बिक्री के लिए आपको विवाद की ज़रूरत नहीं है। मैं इसका प्रमाण हूं। मुझे लगता है कि इसका श्रेय हमारे भारतीय होने को जाता है। हम सहज रूप से अलग-अलग सच्चाइयों को समझते हैं। मुझे नहीं लगता कि अगर आप सम्मान के साथ व्याख्या करें, तो भारतीयों को अलग व्याख्या से कोई समस्या होगी।''

त्रिपाठी ने कहा कि उनकी किताबें तथ्यों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि 'द चोल टाइगर्स' इसलिए लिखी गई क्योंकि पिछले 1,300 वर्षों के इतिहास को जिस तरह से हमारे सामने प्रस्तुत किया गया है, उस पर उनके कुछ सवाल थे। त्रिपाठी ने कहा कि ''उन्होंने 'द चोल टाइगर्स' में राजेंद्र चोल को केंद्रीय पात्र इसलिए बनाया क्योंकि हमें चोल शासकों के बारे में और जानने की ज़रूरत है।''

अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा की नयी जमानत याचिका खारिज

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक सत्र अदालत ने बहुचर्चित रेणुकास्वामी हत्याकांड की मुख्य आरोपी अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा की नयी जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी जमानत निरस्त किए जाने के बाद पवित्रा गौड़ा ने नये सिरे से याचिका दायर की थी। अधिवक्ता बालन ने अभिनेत्री की ओर से पैरवी करते हुए अपनी मुवक्किल को जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया, लेकिन 64वीं सत्र अदालत इससे सहमत नहीं हुई। सत्र न्यायाधीश आई.पी. नाइक ने अपना फैसला सुनाया और अभिनेत्री की नयी जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे उसकी (आरोपी की) जल्द रिहाई की उम्मीदें टूट गईं।

शुरुआत में जमानत मिलने के बाद पवित्रा गौड़ा ने अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताया, अपने कारोबार को संभाला और धार्मिक गतिविधियों में शामिल हुईं, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सकी। उच्चतम न्यायालय ने पुलिस की याचिका की सुनवाई करते हुए अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा, अभिनेता दर्शन और प्रदोष सहित सात आरोपियों को दी गई जमानत निरस्त कर दी थी। इस फैसले के बाद, अभिनेत्री को 14 अगस्त को उनके आवास से गिरफ्तार कर फिर से परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में बंद कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, अभिनेता दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी ने अभिनेता की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे अभिनेता आक्रोशित हो गए और कथित तौर पर रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई।

बेंगलूरु में निर्माण स्थल पर दो मजदूरों की मौत

बेंगलूरु। शहर के येलहंका में एक निर्माण स्थल पर गड्ढा खोदने के दौरान निकाली गई मिट्टी का ढेर गिरने के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जे शिवा (30) और मंदुसूदन रेड्डी (55) सोमवार रात एक बड़े निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे। उसने बताया कि सोमवार रात की भारी बारिश के कारण दोनों मजदूरों पर मिट्टी का ढेर गिर पड़ा।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जहां सोमवार रात शिवा की मौत हो गई, वहीं मंगलवार तड़के अस्पताल में मधुसूदन ने दम तोड़ दिया। इस संबंध में येलहंका पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने धर्मस्थल 'विदेशी वित्तपोषण' मामले की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक के धर्मस्थल में कथित सांप्रदायिक साजिशों को अमली जामा पहनाने के लिए विदेश से 'वित्तपोषण' के आरोपों की शुरुआती जांच शुरू की है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एजेंसी उन सभी संस्थाओं और हितधारकों से संबंधित तथ्य और दस्तावेज एकत्र कर रही है, जिनमें कुछ गैर सरकारी संगठन भी शामिल हैं। उसने बताया कि इनपर धर्मस्थल में विवाद पैदा करने के लिए उक्त धन का इस्तेमाल करने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत प्रारंभिक जांच शुरू की है कर दी है और यदि जांच में विदेशी वित्तपोषण नियमों के उल्लंघन और धन के अवैध उपयोग का सबूत मिलता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित धर्मस्थल के खिलाफ कथित षड्यंत्र और बदनाम करने के अभियान की निंदा करने के लिए सोमवार को ''धर्मस्थल चलो'' रैली आयोजित की थी। पार्टी ने मामले की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की भी मांग की है। राज्य की मुख्य विपक्षी ने मामले से निपटने के तरीके को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

विवाद तब शुरू हुआ जब पूर्व सफाई कर्मचारी चिन्नैया ने दावा किया कि जब वह 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में कार्यरत था, तो उसे महिलाओं और नाबालिगों सहित कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था, जिनमें से कुछ पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। चिन्नैया ने स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की ओर इशारा किया था। बाद में उसे झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

एचएमटी ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाने पर कुमारस्वामी ने बैठक की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को घड़ियां बनाने वाली सार्वजनिक कंपनी एचएमटी के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में घड़ियों के ब्रांड की विरासत को मजबूत करने, चुनौतियों से निपटने और आगे की रणनीति पर विचार किया गया। बैठक में नीति आयोग, भारी उद्योग मंत्रालय और एचएमटी के अधिकारी मौजूद थे। कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि बैठक में आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप एचएमटी की मजबूती और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई। भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाली एचएमटी लिमिटेड की दो उत्पादन इकाइयां हैं। औरंगाबाद में इसकी खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी इकाई है जबकि बेंगलूरु में इसका सहायक व्यवसाय प्रभाग है। खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी इकाई दूध और अन्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए मशीनरी बनाती है और टर्न-की परियोजनाएं भी लेती है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

दक्षिण पश्चिम रेलवे पर बाजार अध्ययन हेतु परामर्शदाता की नियुक्ति के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, निविदा में भागी होने के लिए वेबसाईट http://swr.indianrailways.gov.in और www.ireps.gov.in के माध्यम से निर्धारित अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाताओं को निम्नलिखित सेवा के लिए ई-निविदा में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम: दक्षिण पश्चिम रेलवे पर बाजार अध्ययन हेतु परामर्शदाता की नियुक्ति।

अंतिम तिथि एवं समय: 23.09.2025, 17:00 बजे तक।

विवरण के लिए लॉग ऑन करें
http://swr.indianrailways.gov.in
और www.ireps.gov.in में

मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/फ्रेट मार्केटिंग
PUB/427/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सिलीसेढ़ झील लबालब होने से मगरमच्छ सड़कों पर आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सिलीसेढ़ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण मगरमच्छ पानी से निकलकर सड़कों पर विचरण कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अलवर से 20 किलोमीटर दूर सिलीसेढ़ झील लबालब भरने के बाद लगातार 10 दिन से पानी बह रहा है। लगातार बारिश होने से मगरमच्छ पानी से बाहर निकाल कर सड़कों पर आ रहे हैं। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात को एक मगरमच्छ सड़क पर देखा गया।

ये मगरमच्छ दो पहिया वाहन चालक या राहगीर के लिए रात के अंधेरे में खतरनाक साबित हो सकते हैं। सिलीसेढ़ के पास ही यह मगरमच्छ देखा गया है। सूत्रों ने बताया कि अलवर में बारिश के कारण सिलीसेढ़ में रोजाना हजारों की संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। झील के पास ही गांव हैं, वहां के ग्रामीणों का भी झील की तरफ आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में यह सड़कों पर आये मगरमच्छ नुकसान पहुंचा सकते हैं। सड़क के इर्द-गिर्द झाड़ियां हैं, जिनके बीच बैठे मगरमच्छ अपने शिकार की तलाश में रहते हैं। लिहाजा वनविभाग को इसकी जानकारी दी गयी है।

स्वयं गिरदावरी कर रहे किसान, एग्रीस्टेक ऐप से मिल रहा प्रत्यक्ष लाभ : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों द्वारा उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने एवं संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किये जाने के निर्देश दिए है ताकि विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है और किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है।

उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत करने के भी निर्देश दिए ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके।

शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर (यूलपिन) जारी किए जा चुके हैं। बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

भीलवाड़ा में तेजा दशमी का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में मंगलवार को तेजा दशमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेजाजी महाराज के भक्त व्रत-उपवास रखकर पूजा-अर्चना में शामिल हुये।भक्तों ने चूरमा, नारियल, धूप और अगरबत्ती अर्पित की। सुबह मंदिर में विधिवत रूप से तेजाजी को ध्वजा चढ़ाया गयी। यह आयोजन तीन दिन तक मेले के रूप में मनाया जायेगा। तेजाजी चौक स्थित प्राचीन तेजाजी मंदिर में तीन दिवसीय मेले की शुरुआत हुई। पहले दिन ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जबकि दूसरे दिन शहरवासियों की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है और दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए बेरिकेडिंग एवं पार्किंग की व्यवस्थायें की गयी है। मेले में डोलर, चकरी और घरेलू सामग्री की कई दुकानें लगी हैं, जहां लोग खरीदारी में जुटे हुए हैं। तेजा दशमी के इस पावन अवसर पर आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर के पुजारी बालू राम जाट ने बताया कि यह मंदिर ऐतिहासिक महत्व का है और यहां जहरीले जीव-जंतुओं के काटने पर धागा बांधने की परंपरा है, जिससे विष का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

जयपुर में स्वास्थ्यवर्धक भोजन विकल्पों की जबरदस्त मांग : अमेजन

जयपुर/दक्षिण भारत। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने सोमवार को दावा किया कि जयपुर में स्वास्थ्यवर्धक और सुविधाजनक भोजन विकल्पों की जबरदस्त मांग है।

कंपनी ने अपने 'अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' से पहले ग्राहकों के रुझानों का जिक्र किया। अमेजन इंडिया के निदेशक (अमेजन फ्रेश) श्रीकांत श्रीराम ने यहां कहा, जयपुर में ग्राहक सभी श्रेणियों में प्रीमियम उत्पादों को खासा पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा रेडी-टू-ईट मील और मूसली से लेकर प्रीमियम फलों और चाय तक, स्वास्थ्यवर्धक और सुविधाजनक भोजन विकल्पों की जबरदस्त मांग अमेजन फ्रेश पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

अमेजन इंडिया के निदेशक (एवरीडे एसेंशियल्स) निशांत रमन ने कहा, जयपुर हमारे रोजमर्रा के जरूरी सामान के मामले में सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक बना हुआ है, जहां आधुनिक परिवार गुणवत्ता से समझौता किए बिना सुविधाओं को अपना रहे हैं।'

भिवाड़ी में भारी बारिश से जलमग्न हुआ शहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के औद्योगिक शहर भिवाड़ी में सोमवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति बन गयी है। पूरा शहर चारों ओर से पानी में घिर चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। घरों में कैद हो चुके लोग, दुकानें, बैंकों, कार्यालयों में घुसा पानी, सड़कों पर बहता पानी, जैसे दृश्य शहर के हर कोने में नजर आ रहे हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र यूआईटी गौरव पथ, सेंट्रल मार्केट के सामने, भिवाड़ी बायपास और भगत सिंह कॉलोनी हैं। बस स्टैंड के आसपास भी यही स्थिति है, जहां सड़कें पूरी तरह पानी में डूबी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे नजर नहीं आ रहे, जिससे वाहन चालकों के लिये दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है। खिजुरिवास के पास टोल टैक्स पर राजमार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है, जहां वाहन गड्ढों में फंसकर रुक रहे हैं। इससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग चुका है। दोपहिया वाहनों का चलना पूरी तरह बंद हो गया है। यूआईटी थाने के सामने करीब डेढ़ से दो फुट पानी बह रहा है, जिससे थाना भवन जलमग्न हो चुका है।

भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर बना चार फुट ऊंचा रैंप भी पूरी तरह डूब गया है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल और सुखम टावर के सामने करीब पांच फुट पानी भर चुका है, जो रैंप को पार कर धारूहेड़ा की ओर जा रहा है। इससे धारूहेड़ा के सेक्टर चार और छह भी पानी में डूब चुके हैं।

प्रशासन की ओर से जल निकासी के प्रयास पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। फिलहाल, सड़कों पर न तो कोई अधिकारी नजर आ रहा है और न ही कोई संसाधन काम कर रहे हैं। शहरवासियों का कहना है कि बारिश का पानी निकासी की कमी के कारण बहुत फैल चुका है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। प्रशासन से तत्काल राहत कार्य शुरू करने की मांग की जा रही है।

लापरवाह व भ्रष्ट कर्मचारियों पर सख्त कार्वाई हो : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लापरवाह और भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की प्रतिबद्धता जताते हुए सोमवार को कहा कि राज्य सरकार आठ करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने व पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। शर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न मुद्दों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी आमजन के कार्यों का निस्तारण निष्ठा एवं समर्पण भाव से करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार काम में लापरवाही बरतने वाले और भ्रष्ट कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा समर्पित कार्मिकों को सम्मानित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भ्रष्ट, लापरवाह और अनुशासनहीन कार्मिकों की सूची तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाएं ताकि ऐसे कर्मियों पर सख्त कार्रवाई हो सके।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जान-माल के नुकसान पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर कार्य करें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से टेलीफोन पर बात कर राज्यों के अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में जारी राहत एवं बचाव कार्यों में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान सरकार आपदा की इस घड़ी में हरियाणा और पंजाब के साथ संवेदनशीलता व तत्परता के साथ खड़ी है।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट लागू होने से देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश में भारत में इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 1 सितंबर से लागू हो गया है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने सरकार के इस फैसले को स्वागत योग्य बताया, उन्होंने कहा कि अब देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी। बैरवा ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि पहले हमारे राज्य में कई लोग अवैध रूप से रहते थे। हाल के दिनों में ऐसे कई लोगों को हटाया गया, लेकिन इसके लिए हमें अनुमति लेनी पड़ती थी। हालांकि, अब जब यह अधिनियम पारित हो गया है, तो हमारे लिए यह बहुत आसान हो जाएगा।

राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने धर्मांतरण कानून को लेकर कहा कि राजस्थान में धर्मांतरण कानून की सख्त आवश्यकता थी, जिस तरह से राजस्थान में धर्मांतरण के केस बढ़े और धर्मांतरण करने वालों की संख्या बढ़ी, उसके बाद इस कानून को लाना जरूरी था। यह कानून सख्त है और इस कानून में सख्त दंडात्मक प्रक्रियाएं हैं।

एसआईआर की आपत्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने को लेकर विपक्ष को मना किया है। उसको लेकर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने कहा जब सुप्रीम कोर्ट ने ही आपत्तियों की समय सीमा बढ़ाने से मना कर दिया तो सुप्रीम कोर्ट से बड़ा तो कोई हो ही नहीं सकता। विपक्ष के लोगों को देश के विकास में भागीदारी को लेकर बात करनी चाहिए। जबकि वह जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

प्रेम चंद बैरवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर होने वाले सेवा पखवाड़े वाले कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन सेवा कार्यों में गिना जाता है। इसीलिए हम अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ आमजन के साथ मिलकर अलग-अलग कार्यों को करते हैं और इस बार भी हमने इसकी प्लानिंग कर ली है।

ईश्वर में विश्वास से पूरी होती हैं मनोकामनाएं : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने जोधपुर प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि ईश्वर में आस्था और विश्वास रखने से मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं, भले ही इसमें कुछ समय लगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत अजीत भवन में संवाददाता सम्मेलन से की। इस मौके पर उन्होंने बाबा रामदेव की दशम वीर तेजाजी जयंती और खेजड़ली मेले पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने प्रार्थना की कि राजस्थान एक मजबूत, समृद्ध और सुखी प्रदेश बने।

राजे ने बताया कि उनकी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत बाबा रामसा पीर के दर्शन से हुई थी। उन्होंने कहा कि रामसा पीर सभी के देवता हैं और राजस्थान हम सबका परिवार है। जब सभी मजहब और जातियां मिल-जुलकर रहेंगी, तभी प्रदेश में सच्ची खुशहाली आएगी।

उन्होंने समाज में एकता और विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम विश्वास नहीं रखते, जबकि हमें बाबा रामसा पीर पर अटूट आस्था है। इस अवसर पर पूर्व राजा सूर्यवीर सिंह, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, भाजपा नेता मेघराज लोहिया, भोपाल सिंह बडला, रंजीत सिंह जानी, किशोर डूडी और घनश्याम वैष्णव ने राजे से शिष्टाचार भेंट की। जोधपुर प्रवास के बाद वसुंधरा राजे जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ रवाना हुई, जहां वे पूर्व सांसद सोनाराम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इसके पश्चात वे जोधपुर लौटकर रात्रि विश्राम करेंगी। कल उनका अजमेर दौरा निर्धारित है।

आस्था, संस्कृति और समरसता का अद्भुत संगम वीर तेजा मेलाम : शेखावत

जयपुर। लोक आस्था और ऐतिहासिक परंपराओं के प्रतीक वीर तेजा मेला - 2025 में उस समय उत्साह और उल्लास का विशेष संचार हुआ जब माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ब्यावर में सुभाष उद्यान स्थित मेला स्थल पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में उपस्थित हुए।अजमेर से प्रस्थान कर कल शाम को ब्यावर पहुंचे माननीय मंत्री जी का नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में शेखावत ने कहा कि इस अंचल की परंपराएं और मेले हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण और विस्तार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेजाजी महाराज का जीवन आदर्श और प्रेरणादायी है, जो हमें समरसता, उत्तरदायित्व और संकल्प की याद दिलाता है। यह मेला केवल सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के स्वदेशी मंत्र को दोहराते हुए 'लोकल फॉर लोकल' की महत्ता पर बल दिया और कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, कला और उत्पादों को बढ़ावा देना हम सबका कर्तव्य है। इस अवसर पर उन्होंने तेजा नवमी और दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

आत्मा की ऊँचाई के लिए संयम रूपी ऊर्जा शक्ति आवश्यक : आचार्य वर्धमान सागर

जयपुर। दशलक्षण पर्व के छठे दिन उत्तम संयम धर्म की व्याख्या करते हुए आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि आत्मा की उन्नति और ऊँचाई के लिए संयम रूपी ऊर्जा शक्ति जरूरी है। तीर्थंकर पद भी संयम धारण किए बिना प्राप्त नहीं होता। उन्होंने कहा कि साधु संयम के मार्ग पर व्रत, समिति, गुप्ती और महाव्रतों का पालन कर इंद्रियों पर विजय प्राप्त करते हैं। जिस प्रकार नदी के तट टूटने से विनाश होता है, उसी तरह जीवन में संयम का तट न होने पर विपत्ति और कष्ट आते हैं। मन, वचन और काय पर संयम आवश्यक है। जैसे बांध पानी को रोककर ऊर्जा पैदा करता है, वैसे ही संयम से आत्मा ऊँचाई प्राप्त करती है।

आचार्य ने कहा ऊपर स्थित पानी की टंकी को विद्युत पंप ऊर्जा से चढ़ाया जाता है, उसी प्रकार जीवन को उन्नति पर ले जाने के लिए संयम रूपी ऊर्जा जरूरी है। बेल दीवार का सहारा लेकर ऊपर बढ़ती है, वैसे ही जीवन को ऊँचाई पाने के लिए संयम का सहारा चाहिए। वाहन चलाने में ब्रेक जितना जरूरी है, जीवन में उतना ही संयम जरूरी है। उन्होंने आगे बताया कि संयम से वैराग्य और उन्नति दोनों मिलते हैं। संयम धर्म के पालन से संसारी आत्मा को कर्मबंधन से मुक्ति का मार्ग मिलता है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को राजभवन में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को सप्तम राज्य वित्त आयोग 2025- 26 की अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मां के अपमान पर राजद-कांग्रेस को मैं भले ही माफ कर दूं लेकिन बिहार की जनता माफ नहीं करेगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में संपन्न हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और इस घटना के लिए वह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को भले ही माफ कर दें लेकिन बिहार की जनता इन दलों को कभी माफ नहीं करेगी।

मोदी ने दरभंगा में हाल में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंच से उनकी दिवंगत मां को अपशब्द कहे जाने से पैदा हुए विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनकी मां को अपशब्द कहना उन लोगों के लिए बड़ी बात नहीं है जो 'भारत माता' का अपमान करते हैं और ऐसे लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया, मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?''

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं उन्हें माफ़ कर भी दूं लेकिन बिहार की जनता मेरी मां का अपमान करने के लिए उन्हें कभी माफ़ नहीं करेगी। राज्य की जनता को कहना होगा कि आने वाले दिनों में वे इन पार्टियों के नेताओं को सज़ा देंगे। उन्होंने कहा, बिहार की जनता को राजद और कांग्रेस के नेताओं से जवाब मांगना चाहिए... हर गली-मोहल्ले में एक ही आवाज़ सुनाई देनी चाहिए - 'हम एक मां का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम राजद का अत्याचार और कांग्रेस के हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे'।

प्रधानमंत्री ने बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए एक नई सहकारी पहल के डिजिटल तरीके से उद्घाटन के मौके पर दिल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने कहा, बिहार मां जानकी की धरती है... यहां महिलाओं को हमेशा से सम्मान दिया गया है। यहीं छठ पूजा मनाई जाती है। राजद और कांग्रेस के मंच से मेरी मां को अपशब्द कहे गए... मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा... यह बिहार की मां-बेटियों का अपमान है... राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां का बेटा हूं... मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं देश की महिलाओं के कल्याण के लिए अथक प्रयास कर रहा हूं... जिस मां ने मुझे जन्म दिया, उसने मुझे मातृभूमि की सेवा करने के लिए कहा जो मैं कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बिहार की महिलाओं के लिए सहकारिता संस्था का उद्घाटन किया

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सस्ती ब्याज दरों पर धन उपलब्ध कराने के लिए 'बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड' का मंगलवार को डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया।

मोदी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपए भी हस्तांतरित किए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मोदी ने कहा कि यह नई सहकारी संस्था बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, इस सहकारी संस्था की स्थापना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को किफायती ब्याज दरों पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराना है।

भारी बारिश से गुरुग्राम में फिर से यातायात जाम, जलभराव की समस्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण गुरुग्राम एक बार फिर जलभराव एवं यातायात जाम की समस्या से जूझ रहा है तथा निवासियों का रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

भारी बारिश के कारण मंगलवार को सेक्टर 63 ए के कादरपुर गांव के पास अरावली बांध को भारी नुकसान पहुंचने की सूचना मिली, जिसके कारण आसपास के गांवों में कई फुट तक पानी भर गया। ग्रामीणों ने बताया कि पानी के तीव्र दबाव के कारण बांध क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। वहीं, एक दूसरी घटना में उल्लावास गांव के पास एक इमारत के बेसमेंट के निर्माण कार्य में बारिश और उसके बाद हुए जलभराव के चलते आस-पास के घरों में दरारें आ गईं। स्थानीय प्रशासन ने निवासियों को सुरक्षा के लिए इन घरों को खाली करने का निर्देश दिया है। गुरुग्राम में सोमवार को यातायात व्यवस्था चरमरा गई। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए जिनमें कई इलाकों में भीषण जाम दिखाई दे रहा था। कई लोगों ने बताया कि वे आधी रात तक जाम में फंसे रहे। जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए कॉर्पोरेट क्षेत्र के कई कर्मचारियों ने सोमवार को घर से काम किया व स्कूलों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गईं।

कोलकाता पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में सेना के ट्रक को रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सेना द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस द्वारा बनाए गए मंच को गिरा दिए जाने के एक दिन बाद कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में सेना के एक ट्रक को रोक लिया।

ट्रक चला रहे सैन्यकर्मी के खिलाफ खतरनाक तरीके से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे राइटर्स बिल्डिंग के सामने हुई। उन्होंने कहा, वाहन इतनी तेज रफ्तार से चल रहा था कि मोड़ लेते समय एक बड़ा हादसा हो सकता था। कोलकाता पुलिस के आयुक्त मनोज वर्मा का वाहन ट्रक के पीछे चल रहा था।

कोलकाता पुलिस द्वारा जारी सीसीटीवी वीडियो में यातायात अधिकारियों द्वारा ट्रक को रोके जाने से लेकर तक की घटनाओं को दर्शाया गया है। वीडियो में सेना का वाहन बीबीडी बाग नॉर्थ रोड के बाएं किनारे पर राइटर्स बिल्डिंग ट्रैफिक सिग्नल पर धीमा होता हुआ दिखाई देता है, जहां से उसने अचानक दक्षिण की ओर दाहिनी ओर मुड़ने का प्रयास किया।

वीडियो के अनुसार, ट्रक वर्मा की कार से टकराने से बाल-बाल बच गया और यह दुर्घटना से बचने के लिए सिग्नल पर दाहिनी ओर से तेजी से आगे निकल गया।

वर्मा का वाहन सेना के ट्रक के पीछे चल रहा था।

राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के पास दो मतदाता पहचान पत्र : भाजपा ने लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं और राहुल गांधी अपनी पार्टी द्वारा वोटों की चोरी को ''बचाने एवं छिपाने'' के लिए बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा,''कांग्रेस पूरी तरह से वोट चोर है। इसीलिए वह सभी पर यही कलंक लगाना चाहती हैं। उन्होंने 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर गांधी पर निशाना साधा और मांग की कि निर्वाचन आयोग इस बात की जांच करे कि खेड़ा के पास 'दो सक्रिय ईपीआईसी नंबर कैसे हैं तथा क्या उन्होंने कई बार मतदान किया - जो चुनावी कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता में दावा किया कि कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख और राहुल गांधी के ''करीबी सहयोगी'' खेड़ा के पास दिल्ली के पते पर दो मतदाता पहचान पत्र हैं--खेड़ा का एक ईपीआईसी जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र का तथा दूसरा ईपीआईसी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र का है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और उनके करीबी चोर हैं एवं शोर कर रहे हैं।

भंडारी ने आरोप लगाया, आज राहुल गांधी और पवन खेड़ा के बीच की सांठगांठ जो सामने आई है, उससे यह स्पष्ट होता है कि राहुल गांधी देश के गरीबों, वंचितों से इतनी नफरत करते हैं कि वह अपनी पार्टी के नेताओं की वोट चोरी को बचाने और अपनी वोट धोखाधड़ी को छिपाने के लिए बिहार के नागरिकों को 'फर्जी' और 'चोर' कह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, राहुल गांधी और कांग्रेस मतदाता धोखाधड़ी का गिरोह चला रहे हैं, जिसमें कई मतदाता पहचान पत्र रखने वाले विभिन्न कांग्रेस नेताओं को संरक्षण दिया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल से इस मुद्दे पर जवाब मांगा। पार्टी प्रवक्ता ने खेड़ा के कथित तौर पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अपराध बताते हुए इस मामले की संबंधित एजेंसियों से जांच कराने की मांग की। उन्होंने गांधी से यह भी पूछा कि क्या वह खेड़ा के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे और उन्हें कांग्रेस से निकालेंगे?

सत्तारूढ़ भाजपा और निर्वाचन आयोग के खिलाफ चुनाव में धांधली के ''निराधार'' आरोप लगाने के लिए गांधी की आलोचना करते हुए भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और गांधी परिवार का चुनाव में धांधली और वोट चोरी का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा,''सोनिया गांधी 1980 में भारत की नागरिक नहीं थीं, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में था। हमारे विरोध के बाद 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया। राहुल गांधी आज तक इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। भंडारी ने कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ गांधी के अभियान को 'लोकतंत्र के खिलाफ साजिश' करार दिया और लोगों को कांग्रेस नेता के 'झूठ के पुलिंदे' पर विश्वास न करने के लिए आगाह किया।

झारखंड के गांव में चोरी के शक में महिला से मारपीट, चप्पलों की माला पहनाकर घुमाया

गिरिडीह/भाषा। झारखंड के गिरिडीह जिले में आभूषण चोरी के शक में एक अधेड़ महिला को पीटा गया, उसके बाल काट दिए और जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डुमरी थाना प्रभारी प्रणित पटेल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रविवार शाम डुमरी प्रखंड के पिपराडीह गांव में नागेश्वर यादव के परिवार के सदस्यों ने आभूषण चोरी का आरोप लगाते हुए 36-वर्षीय महिला से मारपीट की, जबरन उसके बाल काट दिए और उसे जूतों की माला पहनाकर घुमाया।

पटेल ने कहा, हमें इस मामले की जानकारी सोमवार को घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मिली और हमने उस महिला से संपर्क किया, जिसके बाद उसने शाम को शिकायत दर्ज कराई। हमने परिवार की चार आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं। हमने उनकी तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि महिला के किसी भी चोरी की घटना में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला है और उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। पटेल ने कहा, हम आरोपी महिलाओं, रेखा देवी, होरली देवी, बिंदा देवी और भानुमति देवी से पूछताछ कर रहे हैं। हमले में घायल हुई महिला को डुमरी के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर है। उसकी शिकायत के आधार पर हमने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पीड़ित महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी नागेश्वर यादव समेत दो पुरुषों और छह महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया, पीड़ित महिला ने अपने बयान में आरोप लगाया है कि नागेश्वर यादव और उसके परिवार के सदस्यों ने उसे घर से जबरन घसीटा और उस पर रेखा देवी और होरली देवी के हार और अन्य आभूषण चुराने का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के मणिपुर के संभावित दौरे पर कहा: बहुत देर हो गई

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र के आगामी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करने को संभावना को लेकर मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री ने यह कदम उठाने में बहुत देर कर दी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री आज तक चुप हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के 13 सितंबर को मिजोरम और मणिपुर आने की संभावना है। आइजोल में अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री आखिरकार 13 सितंबर को संक्षिप्त रूप से मणिपुर का दौरा करने का साहस और हमदर्दी जुटा पा रहे हैं। लेकिन यह बहुत देर बाद बहुत कम किए जाने का का मामला हो सकता है। उन्होंने कहा कि तीन मई, 2023 को मणिपुर में हिंसा शुरू हुई और इसके बाद से राज्य में तथाकथित डबल इंजन सरकार थी। रमेश ने कहा, हिंसा शुरू होने के ठीक 15 महीने पहले ही विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों को बड़ा जनादेश मिला था, लेकिन इस जनादेश के साथ भी, तथाकथित डबल इंजन सरकार अपनी ही साजिशों के कारण पूरी तरह से पटरी से उतर गई।

उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी में मेलों में मंगलसूत्र छीनने के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार, 19 चेन बरामद

कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मेलों, बाजारों और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मंगलसूत्र छीनने के आरोप में एक गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के 19 मंगलसूत्र, पांच सर्जिकल ब्लेड, एक अवैध पिस्तौल और कारतूस बरामद किए। कौशाम्बी के अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को सैनी थाने की पुलिस ने अलीपुर जीता गांव के पास एक ऑटो-रिक्शा को रोका, जिसमें सात महिलाएं और दो पुरुष सवार थे। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा और जब पकड़कर तलाशी ली गई, तो उससे अवैध पिस्तौल, कारतूस और 19 मंगलसूत्र बरामद हुए।

महिला को आठ साल बाद इंस्टाग्राम रील में दिखा 'लापता' पति, गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई (उप्र)/भाषा। हरदोई जिले में सामने आए एक मामले में आठ साल पहले लापता हुआ एक व्यक्ति अपनी दूसरी पत्नी के साथ एक रील में नजर आया जिसके बाद पुलिस ने उसे अपनी पहली पत्नी को छोड़कर दूसरी महिला से शादी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी जितेंद्र उर्फ बबलू 2018 में अपनी गर्भवती पत्नी शीलू को छोड़कर पंजाब के लुधियाना में रह रहा था, जहां उसने कथित तौर पर दूसरी शादी कर ली थी। यह अनोखा मामला तब प्रकाश में आया जब संडीला क्षेत्र के मुरारनगर निवासी शीलू ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में अपने पति को किसी महिला के साथ देखा। शीलू ने पुलिस से संपर्क किया, जिसने उसकी पहचान और स्थान की पुष्टि करते हुए जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आटामऊ गांव के मूल निवासी जितेंद्र के पिता ने साल 2018 में उसके लापता होने की सूचना दी थी। उस समय परिवार ने शीलू के रिश्तेदारों पर आरोप भी लगाए थे।

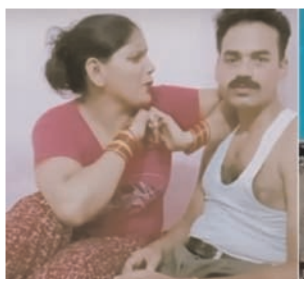

उन्होंने बताया कि शीलू की शिकायत पर जितेंद्र के खिलाफ पहली पत्नी को छोड़कर दूसरी महिला से शादी करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया।

पुलिस की एक टीम को लुधियाना भेजा गया, जिसने जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, आरोपी से पूछताछ की जा रही है और अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है।

लोकसभा चुनाव में सपा ने भाजपा को कमजोर किया : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने भाजपा को कमजोर किया था और 2027 के विधानसभा चुनाव में राज्य की सत्ता से बाहर कर देगी।

यहां पार्टी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार विभिन्न जिलों से आए उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में यादव से मुलाकात की। इस मौके पर यादव ने कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कमजोर करने में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा, 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। भाजपा को सत्ता से बाहर करना ही देश हित में है। उल्लेखनीय है कि पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में कांग्रेस और सपा ने मिलकर 43 सीटें जीती थीं, जबकि 37 सीट पर भाजपा को जीत मिली थी।

सजा में छूट न केवल संवैधानिक, बल्कि वैधानिक अधिकार भी है: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों से सामूहिक बलात्कार के मामलों में शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों के सजा में छूट मांगने के अधिकार को मंगलवार को रेखांकित करते हुए कहा कि यह न केवल संवैधानिक, बल्कि वैधानिक अधिकार भी है।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 376डीए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। धारा 376डीए 16 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की सजा से संबंधित है। मामले में पक्षकार बनाए जाने का अनुरोध कर रहे एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि धारा 376डीए के अनुसार सत्र अदालत के पास आजीवन कारावास देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है, जिसका अर्थ है कि उस व्यक्ति के शेष जीवन के लिए जेल की सजा। पीठ ने दो पहलुओं पर गौर किया, जिनमें से पहला प्रावधान के तहत निर्धारित दंड पर था, जिसे सत्र अदालत में मुकदमा चलाए जाने के बाद लागू किया जाना था और जिसे उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। पीठ ने कहा, मामले का दूसरा पहलू यह है कि यदि किसी दोषी को ऐसी सजा दी भी जाती है, तो उसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 72 या अनुच्छेद 161 के अनुसार राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के समक्ष सजा माफी के लिए आवेदन करके सजा में छूट मांगने का अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इसके अलावा ऐसे आरोपी के पास सजा में छूट पाने का वैधानिक उपाय भी है। पीठ ने कहा, इसलिए, सज़ा में छूट पाने का अधिकार न केवल एक संवैधानिक अधिकार है, बल्कि एक वैधानिक अधिकार भी है और प्रत्येक राज्य की सज़ा में छूट की अपनी नीति है... जो तब भी लागू होती है जब सज़ा आईपीसी की धारा 376डीए या धारा 376डीबी के तहत दी गई हो।

धारा 376डीबी, 12 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के लिए दंड से संबंधित है। शीर्ष अदालत ने कहा कि धारा 376डीए या 376डीबी के तहत दी गई आजीवन कारावास की सजा, शेष जीवन के लिए, संविधान, वैधानिक व्यवस्था और प्रत्येक राज्य में लागू छूट नीति के तहत किसी दोषी के छूट प्राप्त करने के अधिकार को नहीं छीनेगी।

वकील ने कहा कि आईपीसी की धारा 376डीए के तहत निर्धारित सजा का अर्थ यह होगा कि दोषी से संबंधित कोई भी ऐसी परिस्थितियां नहीं हैं, जिन पर विचार किया जा सके। पीठ ने कहा कि केंद्र ने आईपीसी की धारा 376डीए का समर्थन किया है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने धारा 376डीए के तहत सजा के एकमात्र प्रकार के निर्धारण पर याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए कानूनी प्रश्न को खुला छोड़ दिया और कहा इस पर उचित मामले में विचार किया जा सकता है।

पूर्वोत्तर भारत में कैंसर की दर सबसे अधिक : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वोत्तर भारत के आइजोल, पूर्वी खासी हिल्स, पापुमपारे, कामरूप शहरी और मिजोरम में 2015 और 2019 के बीच लगातार कैंसर की उच्चतम दर दर्ज की गई। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है।

'क्रॉस-सेक्शनल' अध्ययन में भारत की जनसंख्या-आधारित 43 कैंसर रजिस्ट्री (पीबीसीआर) में दर्ज आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया। 'क्रॉस सेक्शनल' अध्ययन में किसी खास समय बिंदु पर किसी जनसंख्या या समूह की विशेषताओं, स्थितियों या स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी को एकत्रित और विश्लेषित किया जाता है। अध्ययन के मुताबिक एक जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2019 के बीच, देशभर के 43 पीबीसीआर में 7.08 लाख कैंसर के मामले और 2.06 लाख मौतें दर्ज की गईं। कैंसर के मामलों में महिलाओं का अनुपात ज्यादा था, जबकि इससे होने वाली मौतों में पुरुषों का अनुपात ज्यादा था।

आंकड़ों के मुताबिक कैंसर के कुल मरीजों में 51.1 प्रतिशत महिलाएं थीं और मौतों की दृष्टि से उनका अनुपात 45 प्रतिशत था। दूसरी ओर, कैंसर के मरीजों में 48.9 प्रतिशत पुरुष थे, जबकि इससे होने वाली मौतों में पुरुषों का आंकड़ा 55 प्रतिशत था।

अध्ययन में भारत की जनगणना से जोखिमग्रस्त आबादी के आंकड़े प्राप्त किए गए तथा निष्कर्षों का मूल्यांकन रजिस्ट्री क्षेत्र के आधार पर किया गया।

अध्ययन के अनुसार, भारत में कैंसर होने का आजीवन जोखिम 11.0 प्रतिशत था। हालांकि, मिजोरम के पुरुषों में जीवनकाल में इस जोखिम की दर 21.1 प्रतिशत और महिलाओं में 18.9 प्रतिशत थी। आइजोल जिले में पुरुषों और महिलाओं- दोनों में सबसे ज़्यादा आयु-समायोजित घटना दर (एएआईआर) दर्ज की गई।

आयु-समायोजित घटना दर एक सांख्यिकीय विधि है जिसका उपयोग आयु के अंतर के प्रभाव को हटाकर आबादी के बीच या विभिन्न समयावधि में रोग दरों की तुलना करने के लिए किया जाता है।

अध्ययन के मुताबिक, पुरुषों में सबसे आम प्रकार के कैंसर मुख, फेफड़े और प्रोस्टेट संबंधी तथा महिलाओं में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा एवं डिंबग्रंथि से संबंधित थे।

दस लाख से अधिक आबादी वाले महानगरों की श्रेणी में दिल्ली में पुरुषों के लिए कैंसर की समग्र एएआईआर सबसे अधिक थी, जबकि श्रीनगर में फेफड़ों के कैंसर के लिए एएआईआर सबसे अधिक दर्ज की गई।

सुविचार

साहस वह है जो आपको अपने लक्ष्य के लिए लड़ने की हिम्मत देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआई की सलाह : सुविधा या संकट?

एआई चैटबॉट्स पर बढ़ती निर्भरता के खतरे सामने आने लगे हैं। किसी भी तकनीक का ऐसा पक्ष होता है, जिसके साथ कुछ नकारात्मक बिंदु जुड़े होते हैं। उनका पता लगाने में कई साल भी लग सकते हैं, लेकिन एआई चैटबॉट्स के नकारात्मक बिंदु बहुत जल्द सामने आ गए। एक मशहूर तकनीकी विशेषज्ञ ने अत्याधुनिक समझे जाने वाले किसी एआई चैटबॉट के सुझावों पर इतना विश्वास कर लिया कि उसने अपनी मां की हत्या कर दी। यही नहीं, उसने खुद का जीवन भी खत्म कर लिया। वह उस चैटबॉट के साथ इतना भावनात्मक जुड़ाव महसूस करने लगा था कि उसकी हर बात को सच समझ लेता था। यह एक ऐसे खतरे की आहट है, जिससे हमें सावधान हो जाना चाहिए। अभी हर तरफ एआई के चर्चे हैं। इसे किसी 'जादू की छड़ी' की तरह दिखाया जा रहा है। इस तकनीक के फायदों से इन्कार नहीं किया जा सकता, लेकिन धीरे-धीरे इसकी कमियां भी सामने आएंगी। तब लोगों को हैरानी होगी कि हम जिसे 100 फीसद सही समझते थे, उसमें यह कमी हो सकती है! एआई की बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास करने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं, जिसका एक उदाहरण उक्त तकनीकी विशेषज्ञ है। वह कोई आम शख्स नहीं था। उसने अपनी पूर्व कंपनी में रहते हुए कई परियोजनाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस 56 वर्षीय शख्स के पास जीवन का काफी अनुभव था, लेकिन उसने अपने विवेक पर विश्वास करने के बजाय एआई चैटबॉट को ही सबकुछ समझ लिया था। ये चैटबॉट्स किसी विषय से संबंधित तथ्य प्रस्तुत करने, उनका विश्लेषण करने आदि में ठीक हैं। इनकी मदद लेने से काम आसान हो जाता है, लेकिन इन्हें मानव बुद्धि और विवेक का विकल्प नहीं समझना चाहिए।

चैटबॉट जब तक ठीक ढंग से काम करते हैं, अच्छे नतीजे देते हैं। उसके बाद एक नतीजा ऐसा देते हैं, जो इनकी 'बुद्धिमत्ता' पर सवालिया निशान लगा देता है। हाल में अमेरिका में एक किशोर ने एआई चैटबॉट से बातचीत करने के बाद आत्महत्या कर ली थी। उस चैटबॉट ने किशोर को गलत कदम उठाने से रोकने के बजाय ऐसे 'सुझाव' दिए, जिन पर अमल करते हुए वह अपने माता-पिता को जीवनभर के लिए रोता छोड़ गया। अगर वह किशोर एआई चैटबॉट से इतनी गहरी बातें करने के बजाय किसी मनोचिकित्सक से सलाह लेता तो आज जिंदा होता। पिछले दिनों एक और शख्स ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह किसी कंपनी के एआई चैटबॉट के साथ घंटों बातें करता था। वह उसे अपना गहरा दोस्त समझने लगा था। एक दिन उसने सुबह उठते ही चैटबॉट को 'दोस्त' कहते हुए संदेश भेजा तो बहुत रूखा जवाब मिला- 'मैं आपका दोस्त नहीं हूं। मैं तो एक एआई चैटबॉट हूं!' इतने दिनों की 'दोस्ती' नाजुक मोड़ पर आ गई थी। उस व्यक्ति को बहुत बुरा महसूस हुआ और दिनभर किसी काम में मन नहीं लगा। उसे बार-बार ऐसा लग रहा था कि किसी 'अपने' ने रिश्ता तोड़ दिया। इन चैटबॉट्स से बातचीत करने और उन पर अमल करने की एक सीमा निर्धारित करनी चाहिए। कुछ खास मामलों में तो विशेषज्ञों की राय के बिना इन पर बिल्कुल विश्वास नहीं करना चाहिए। सोचिए, क्या होगा अगर कोई शख्स किसी एआई चैटबॉट से निवेश के संबंध में कोई राय मांगे और उसका सारा पैसा डूब जाए? कोई किसान अपने खेत में अच्छी पैदावार के लिए उर्वरक या कीटनाशक के बारे में जानना चाहे और सुझाव पर अमल करने से उसकी सारी फसल चौपट हो जाए? कोई नौजवान अपना वजन घटाने के लिए चैटबॉट से सलाह ले और उसके अनुसार व्यायाम एवं खानपान अपनाते हुए बीमार पड़ जाए? ऐसे कई मामले भविष्य में सामने आ सकते हैं, इसलिए एआई चैटबॉट्स पर पूरी तरह निर्भर न होना ही बेहतर है। इन्हें सहायक समझें। अपने विवेक को सर्वोपरि रखें।

ट्वीटर टॉक

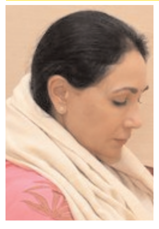

आज सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में त्रिवेणी धाम के परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री राम रिछपाल दास जी महाराज से आत्मीय भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके सान्निध्य में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का विशेष अनुभव हुआ।

-दीया कुमारी

खेजड़ली बलिदान दिवस पर्यावरण संरक्षण के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। यह स्मारिका है कि राजस्थान के खेजड़ली गाँव में अमृता देवी बिश्नोई जी सहित 363 लोगों ने वृक्षों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दे दी थी।

-ओम बिरला

आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके, वो हम सबको छोड़कर चली गई। मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सजा की तार्किकता

गृहयुद्ध के समय एक युवा सैनिक विलियम स्कॉट गश्त के दौरान थकान से चूर होकर सो गया। सैन्य अनुशासन के अनुसार इसकी सजा मौत थी। सैनिक अदालत ने उसे फांसी की सजा सुना दी। जब यह खबर राष्ट्रपति लिंकन तक पहुंची, तो उन्होंने तुरंत मामले की फाइल मंगवाई। लिंकन ने अधिकारियों से पूछा, 'क्या यह सच है कि यह युवक लगातार दो रात गश्त पर रहा और तीसरी रात नींद से हार गया?' अधिकारी बोले, 'हां, सर।' लिंकन ने गहरी सांस ली और कहा, 'तो फिर दोष उसका नहीं, थकान का है। मैं नहीं मानता कि अमेरिका अपने ही बेटे को सिर्फ सो जाने की वजह से गोली से मार दे।' उन्होंने सजा को माफ कर दिया और सैनिक को वापस उसकी यूनिट में भेज दिया। कुछ महीनों बाद वही सैनिक एक युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ा और अपने साथियों की जान बचाई। युद्ध के बाद उसने कहा, 'अगर राष्ट्रपति ने उस दिन मुझे क्षमा न किया होता, तो आज यह बलिदान संभव न होता।'

सामयिक

मुस्कुराते बच्चे प्रफुल्लित राष्ट्र की पहचान

राजकुमार जैन राजन
मोबाइल : 98282 19919

बालक के जन्म के साथ ही अभिभावक अपने बच्चों के लिए ऐसा तिलिस्म बुनने लगते हैं जिसमें बालक इस तरह गिर जाता है कि चाह कर भी उन स्वप्नों के भार से निजात नही पा पाता। अभिभावकों के अधूरे स्वप्नों को पूर्ण करने का दायित्व बच्चों पर गहरा मानसिक और भावनात्मक दबाव बनाता है। नतीजतन जीवन अवसाद पूर्ण हो जाता है, असफलता और पिता के सपनो के टूटने का डर उसे अपने जीवन से बड़ा लगने लगता है और जाने अनजाने ये परिस्थितियां बच्चों की अबोध हंसी को छीनकर उन्हें समय से पहले ही सयाना बना रही है। विचार इस बात का है कि भारत सहित पूरे विश्व में बच्चों के अस्तित्व पर तरह तरह के संकट मंडरा रहे है। जन्म, पालन - पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और अवस्थागत परवशता आदि से जुड़े सैंकड़ों सवाल!

परिवार वह संस्था है जहां बच्चा जन्म लेता है और वहीं उसे जीवन जीने की चाह और संघर्षों से लड़ने का सम्बल मिलता है, यदि ऐसा नहीं होता तो वह बालक जो जीवन के पड़ावों से गुजरता हुआ किशोर और फिर युवा बनता है, बिखर जता है। एक स्वस्थ समाज तभी निर्मित होता है जब नोनिहालों को एक उन्मुक्त एवम उल्लासपूर्ण वातावरण में विकसित होने का मौका हम देंगे। लेकिन हम हैं कि अपने बच्चों पर भी अपनी इच्छाएं थोपने की कोशिश करते हैं। हम चाहते हैं कि उनका विकास हमारी सोच के अनुसार हो। एक तरह से नन्हे पौधों को वृक्ष बनने से हम बोनसाई में तब्दील कर देना चाहते हैं। दरअसल, हर उस व्यक्ति के मन मे बच्चों के लिए एक दायित्व बोध होता है जिसे पता है कि बच्चे ही हमारा भविष्य हैं। यदि वर्तमान किसी भी स्तर पर असंतुलित, विचलित, विपत्तिग्रस्त, शोषित होगा तो भविष्य कैसे सार्थक, सुंदर, हो सकेगा। परिवार विद्यालय पर दबाव डालें, विद्यालय प्रशासन पर, प्रशासन सरकार पर और सरकार समाज पर- इससे कुछ नहीं होने वाला लम्बा रास्ता बिना विघ्न पूरा करना है तो हर मोड़ पर रोशनी की पूरी पक्की व्यवस्था करनी होगी। बच्चों के भविष्य को संवारना हर धर्म, हर महजब, हर विचारधारा का पहला कर्तव्य है। मुस्कुराते बच्चे प्रफुल्लित राष्ट्र की पहचान है। आज बच्चों की रुचियां तेजी से बदल रही हैं। सूचना प्राद्योगिकी के इस्तेमाल से बच्चों में जहां एक ओर रिश्तों, नातों के प्रति सोच में यांत्रिकता और संवेदनशीलता का विकास हुआ है, वहीं दूसरी ओर उनकी स्वार्थ साधकता और हिंसा वृति में भी इजाफा हो रहा है। बाल जीवन पर आज सबसे ज्यादा प्रभाव टी. वी., कम्प्युटर, मोबाइल, इंटरनेट ने डाला है। अपनी सुलभता व जबरदस्त आकर्षण के कारण वह बच्चों को दिशाहीन बना रहा है। बच्चे निडर और निरंकुश बन रहे हैं। वे असमय जवान हो रहे हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह तथ्य प्रमाणित हो चुका है कि आभासी दुनिया बच्चों की संवेदनशीलता और कोमल मस्तिष्क को अन्य माध्यमों से कहीं अधिक प्रभावित करती हैं अत: वे उसी दुनिया मे खोएं रहते हुए अपने परिवेश से प्राय: कट जातें हैं। अगर परिवेश खराब हो तब तो बच्चों के बिगड़ जाने और समाज विरोधी बन जाने का भय भी रहता है। साइबर दुनिया बच्चों से उनका बचपन छीन रही है। यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

बच्चों या भावी पीढ़ी के चरित्र निर्माण में बाल साहित्य की भूमिका काफी हद तक महत्वपूर्ण रही है। साइबर दुनिया ने बच्चों को पुस्तकों से दूर कर दिया है। स्कूली किताबें भी नेट पर पढ़ी जाने लगी हैं। बच्चों को स्कूली किताबों से इतर पढ़ने की रुचि विकसित करने के लिए जरूरी है कि अभिभावक भी पढ़ने की रुचि डालें। अगर आपमें किताबें पढ़ने की आदत होगी तो आपके बच्चों में भी यह धीरे धीरे विकसित होती जाएगी और फिर वह किताबों में ही डूबा दिखाई देगा। जो अभिभावकों के लिए खुशी की बात होगी, क्योकि किताबें ही ज्ञान वृद्धि की उत्तम स्त्रोत हैं।

हम बच्चों के दिल में किताबों को दोस्त बनाने की प्रेरणा भरें। बच्चों को प्रेम दें। हम मंदिर में जाकर तो बालकृष्ण को माखन मिश्री चढ़ाते हैं और घर पर बच्चे से छोटी -सी गलती भी हो जाए तो चांटा जड़ते देर नहीं लगाते हैं, तो कहाँ गई हमारी वह बालकृष्ण की पूजा? क्या एक मूर्ति ही आपके लिए भगवत तुल्य है? जब हम मंदिर में जाकर पंचधातु की मूर्ति को भगवान कह सकते हैं तो आपका अबोध बच्चा क्या भगवान का रूप नहीं है? आज पूरे देश की आवश्यकता है कि साहित्य में रुचि पैदा कर बच्चों की नकारात्मक गतिविधियों को रोका जाए जिससे समय रहते सही संस्कार उनमें पनप सकें। अगर आप चाहतें है कि आपका बच्चा जीवन मे सफल हो तो उसके शिशु अवस्था में ही आपको यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि उसे उसी अवस्था मे बाल साहित्य पढ़ने को दिया जाए। कहा जाता है कि अनोपचारिक शिक्षा ही बालक के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास कर सकती है।

एक संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास बचपन मे पठन- पाठन की रुचि के विकास के साथ - साथ ही होता है। आज अभिभावकों, शिक्षकों, समाज सेवी संस्थाओं को भी राष्ट्र के भावी बच्चों के विकास के लिए प्रवृत्त होना चाहिए। बालक की नैसर्गिक साहित्यिक क्षुधा की पूर्ति हो सके, उसकी सृजनशीलता पनप सके तथा वह अपनी कल्पनाओं को विचारों का रूप देकर अभिव्यक्त कर सके यही हमारे प्रयास की दिशा होनी चाहिए।

हमें बच्चों को ऐसी पुस्तकें प्रदान करनी चाहिए जिनमे बच्चों के लिए बच्चों के संसार की बातें हों। उनकी समस्याओं, उनके परिवेश और उनकी महत्वाकांक्षाओं से अभिभावकों, पाठकों को परिचित कराने के साथ ही बच्चों के लिए अच्छी रोचक, मनोरंजक, जानकारी युक्त सामग्री हो। बाल पाठक इन रचनाओं को बार -बार पढ़ना चाहें, याद करें, दोस्तों को सुनाएं। बच्चों को बाल साहित्य जगत से परिचय करवाने का दायित्व हम सबका है।

वर्तमान दौर में वादों और गुटों में बंटे बाल साहित्य की दुनियां में कुछ लोंगो ने स्वयम को बाल साहित्य का खेवनहार मान लिया है। बौद्धिक बहसें जारी हैं...जहां बालक नदारद है। अच्छा बाल साहित्य बच्चों तक पहुंचाने में उनके प्रयास नगण्य हैं।उनमें केवल बाल साहित्य की पुस्तकें लिखने, गोष्ठियों में बालकों पर चिंतन करने, सम्मान लेने और देने से आगे बाल साहित्य की कोई चिंता दिखाई नहीं देती। यह सब कहने का मतलब यह कत्तई नहीं है कि सब जगह ऐसा ही हो रहा है। नहीं, बहुत लोग व संस्थाएं बाल साहित्य उन्नयन व बाल कल्याण के साथ बाल साहित्य से बालकों को जोड़ने में लगे हुए हैं। निष्ठा व समर्पण भाव से वे कार्य कर रहे हैं, सब बधाई के पात्र हैं। पर ये प्रयास भी 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हो रहे हैं। बाल साहित्य की दुनियां में चल रही बौद्धिक बहसों व मठाधीशी से हमारा कोई सरोकार नहीं हैं। हम तो सीधे- सीधे यही चाहते है कि बालकों को ज्यादा से ज्यादा बाल साहित्य से जोड़ा जाए। बाल साहित्य ही वास्तव में संस्कार साहित्य है जो बच्चों को सही दिशा देने का कार्य करता है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से अलग किताबें पढ़ने-पढ़ाने की प्रवृत्ति इन दिनों घटती जा रही है। बच्चों को तरह-तरह की आकर्षक चमकीली वस्तुएं उपहार में दी जाती है। वे बचपन से बाजार देख रहे हैं, सुन रहे हैं और गुन रहे हैं। दुनिया बाजार में तब्दील हो रही है, बच्चों को सबसे बड़ा उपभोक्ता बनाने की साजिश खामोशी से रची जा रही है। यह स्थिति खतरनाक है और इसका भविष्य कैसा होगा, हमारे बच्चों की संवेदनाओं का किस तरह मोल - भाव कर लिया जाएगा, यह सोचकर ही डर लगता है। बाल साहित्य के संसार से परिचय करवाकर इस खतरे को कम किया जा सकता है।किताबें बच्चों को जीवन दृष्टि देंगी।

नजरिया

यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागत योग्य

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

व्याख्यान

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह मंगलवार को जम्मू विश्वविद्यालय में केवीएम ट्रस्ट और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित छठे 'कुंवर वियोगी स्मृति व्याख्यान' में शिरकत की।

मोना सिंह ने 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के 22 साल पूरे होने पर जताई खुशी

नई दिल्ली/भाषा। लोकप्रिय टीवी शो 'जस्सी जैसी कोई नहीं' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर हुईं अभिनेत्री मोना सिंह ने मनोरंजन जगत में अपने 22 साल पूरे होने पर खुशी जाहिर की है।

इस शो का प्रसारण एक सितंबर 2003 से शुरू हुआ था और मोना सिंह के अभिनय कॅरियर की शुरुआत भी इसी शो से हुई थी। इसके बाद उन्होंने '3 इडियट्स' जैसी फिल्म और 'मिस्ट्री' जैसी वेब सीरीज़ में भी काम किया।

सोमवार को मोना सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शो से जुड़ी कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कीं और प्रशंसकों के प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैलो सितंबर, जस्सी जैसी कोई नहीं' के 22 साल। इन यादों को संजो रही हूं और आपसे मिले प्यार के लिए हमेशा आपकी आभारी हूं। धारावाहिक 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के आखिरी एपिसोड का प्रसारण 2006 में हुआ था और इसके कुल 550 एपिसोड प्रसारित हुए थे। इस शो में मोना सिंह ने 'जस्सी वालिया' की भूमिका निभाई थी जो एक साधारण सी लड़की है और एक प्रमुख फैशन एजेंसी में नौकरी करती है।

इस शो में मोना सिंह के साथ अपूर्व अग्निहोत्री, रक्षंदा ख़ान, मानिनी डे और गौरव गेरा जैसे कलाकार भी नज़र आए थे। यह शो उस समय के पारंपरिक धारावाहिकों से अलग होते हुए भी बेहद लोकप्रिय हुआ था।

उत्सव

मंगलवार को दिल्ली के यमुना पुश्ता पर श्रद्धालुओं ने ऐतिहासिक करगा उत्सव मनाया और देवी श्री रामलिंग सोवदेश्वरी अम्मन का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अमेरिकी चुनौतियों के बीच शी और पुतिन ने 'पुराने मित्र' वाले संबंध पर दिया बल

बीजिंग/एपी

चीन के नेता शी चिनफिंग ने एक पुराने मित्र के रूप में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया और दोनों नेताओं ने मंगलवार को कई बैठकें कीं। ये बैठकें ऐसे समय में हुईं जब दोनों देशों को अमेरिका से विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में, खासकर 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से चीन और रूस के बीच संबंध और गहरे हुए हैं। पुतिन ने शी को प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया और कहा कि चीन के साथ रूस के संबंध अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर हैं। शी और पुतिन ने औपचारिक बैठक के बाद झोंगनानहाई में अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ चाय पर चर्चा की। यह चीन द्वारा इस रिश्ते को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाता है। झोंगनानहाई परिसर चीन में सत्ता का केंद्र है और यहां उसके शीर्ष नेताओं के आवास एवं कार्यालय हैं।

वार्ता के बाद चीन ने घोषणा की कि वह इस महीने के अंत से रूसी यात्रियों को 30 दिन की वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगा। यह वार्ता चीनी शहर तियानजिन में दोनों नेताओं के शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के एक दिन बाद और द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में आयोजित एक भव्य चीनी सैन्य परेड से एक दिन पहले हुई है। सोवियत संघ एशिया में युद्ध के अधिकतर समय तटस्थ रहा, लेकिन 1930 के दशक में आक्रमणकारी जापानी सेना के खिलाफ शुरुआती लड़ाई में उसने चीन की सहायता की। उसने द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा भी की और जापान के कब्जे वाले पूर्वोत्तर चीन में सेना भेजी। पुतिन ने कहा, हम तब भी साथ थे, अब भी साथ हैं।

चीन का कहना है कि वह यूक्रेन युद्ध में तटस्थ है लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद व्यापार जारी रखकर उसने रूस को आर्थिक जीवनदान दिया। उसकी कुछ कंपनियों पर सैन्य उद्योग को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है।

रूस की 'इंटरफैक्स' समाचार एजेंसी के अनुसार, गैजप्रोम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलेक्सी मिलर ने बीजिंग में कहा कि चीन तक एक और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बनाने के लिए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

दस सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शी और पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। मोदी ने तियानजिन बैठक के दौरान दोनों नेताओं के साथ अलग-अलग वार्ता की।

ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी शुल्क और अमेरिका के रुख ने नई दिल्ली को चीन और रूस के करीब ला दिया है। मोदी हालांकि चीन की सैन्य परेड में शामिल नहीं होंगे।

शी चिनफिंग ने चीन को उन देशों के नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अमेरिकी प्रभुत्व वाली व्यवस्था से वंचित महसूस करते हैं।

पुतिन और शी ने अपनी वार्ता से पहले मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के साथ त्रिपक्षीय बैठक की।

ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो ने मोदी, पुतिन और शी के घनिष्ठ होते संबंधों को चिंताजनक बताया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच घनिष्ठता को चिंताजनक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है।

मोदी, शी और पुतिन के बीच एकजुटता के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से कहा, यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है।ट्रंप प्रशासन के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दो सबसे बड़े तानाशाहों, पुतिन और शी चिनफिंग, के साथ देखा जाना बेहद शर्म की बात है। इसका कोई मतलब नहीं है।नवारो की ये टिप्पणियां और मोदी, पुतिन व शी चिनफिंग के बीच दिखी घनिष्ठता ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले दो दशकों के सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं।व्यापार और शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं।

सेल्फी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को नई दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर पर बाढ़ राहत शिविर के दौरे के दौरान एक महिला के साथ सेल्फी लेती हुईं।

संजय लीला भंसाली के खिलाफ बीकानेर में धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बीकानेर/एजेन्सी

राजस्थान में बीकानेर के बीछवाल थाने में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली और उनकी प्रोडक्शन टीम के सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी, दुर्व्यवहार और आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप में इस्तगासा के जरिये मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जोधपुर निवासी एक लाइन प्रोड्यूसर प्रतीक राज माथुर (37) ने भंसाली और उनकी कंपनी के खिलाफ इस्तगासा के जरिये मामला दर्ज कराया है। यह मामला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' की बीकानेर में हुई शूटिंग से जुड़ा है, जहां प्रोडक्शन दल पर वायदा खिलाफी और बदसलूकी के आरोप लगाये गये हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और थाना प्रभारी गोविंद सिंह चारण स्वयं इसकी जांच कर रहे हैं। पीड़ित प्रतीक राज माथुर (37) ने शिकायत में बताया है कि वह फिल्म निर्माण और लाइन प्रोड्यूसिंग से जुड़ी सेवायें प्रदान करने वाली कंपनी चलाते हैं।

पिछले वर्ष चार नवम्बर 2024 को भंसाली प्रोडक्शंस के एक अधिकृत प्रतिनिधि ने उनसे संपर्क किया।

उसके बाद उन्हें 'लव एंड वॉर' फिल्म के लिए बीकानेर में लाइन प्रोड्यूसर का काम सौंपा गया, लेकिन कोई लिखित अनुबंध नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उसने शूटिंग के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें कीं, जिसमें प्रशासनिक अनुमतियां, सरकारी सुविधायें, सुरक्षा इंतजाम और अन्य स्थानीय सेवायें शामिल थे।

शूटिंग के दौरान जब वह बीकानेर के होटल नरेंद्र भवन पहुंचा, तो संजय लीला भंसाली, उत्कर्ष बाली और अरविंद गिल ने उससे बदतमीजी की। उसे धक्का देकर बाहर निकाला गया, किसी भी अनुबंध से इन्कार किया गया और धमकियां दी गयीं। उसके बकाया बिलों का भुगतान भी नहीं किया गया।

माथुर ने बताया कि सभी ई-मेल और अन्य साक्ष्य उसके पास उपलब्ध हैं। बीछवाल थाने के प्रभारी गोविंद सिंह चारण ने बताया कि अदालत के आदेश पर भंसाली प्रोडक्शंस मुंबई, संजय लीला भंसाली, उत्कर्ष बाली, अरविंद गिल आदि के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ी तो संजय लीला भंसाली से भी पूछताछ की जायेगी।

'बागी 4' का 'ये मेरा हुस्न' गाना रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म 'बागी 4' लगातार चर्चाओं में है। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'ये मेरा हुस्न' जारी कर दिया है। यह गाना रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर छा गया है। एक ओर जहां फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्साह बना हुआ था, वहीं इस गाने ने तो फैंस की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है। इस गाने में हरनाज कौर संधू बेहद बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज में दिख रही हैं। समंदर किनारे फिल्माए गए इस गाने में हरनाज ने डांस और एक्सप्रेशन्स से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

बॉस्को मार्टिस की कोरियोग्राफी ने हरनाज के मूव्स को और भी शानदार बना दिया है। मेकर्स को विश्वास है कि पिछले गानों की तरह इसे भी लोग पसंद करेंगे। बोल्ड अवतार में वो खूबसूरत सुनहरे रेत और घाटियों के बीच दिख रही हैं। इस गाने को शिल्पा राव ने गाया है। वहीं संगीत तनिष्क बागची ने तैयार किया है और बोल समीर अंजान ने लिखे हैं।

टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त की झलक भी दिखाई देती है, जो अपने अंदाज से गाने की एनर्जी को दोगुना कर रहे हैं। टाइगर ने भी इस गाने की छोटी सी क्लिप अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, हर धड़कन के साथ जोश बढ़ाएं। 'ये मेरा हुस्न' गाना रिलीज हो गया है। 'बागी 4' को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है और निर्देशन ए. हर्ष का है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ सोनम बाजवा, हरनाज संधू, और संजय दत्त जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म के दो गाने 'गुजारा' और 'अकेली लैला' पहले ही रिलीज कर दिए थे।

सम्मानित

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को रांची में छात्रों को सम्मानित किया।

'लूट मुबारक' के लिए कनिका मान ने दिया निमंत्रण!

चंडीगढ़/एजेन्सी

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है।

पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा। कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं।

सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म 'जॉम्बीलैंड' में नजर आई थीं। इस

फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे 'नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस' के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया। यह फिल्म पांच भाषाओं पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी।

विवेक अग्निहोत्री का ममता बनर्जी से सवाल

'क्या हिंदुओं के दर्द की बात करना गुनाह है?'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के चर्चित फिल्ममेकर और नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी नई फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को लेकर राजनीति गर्मा गई है। 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और उसके बाद हुए नोआखाली नरसंहार की सच्ची घटनाओं पर आधारित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही फिल्म का विरोध हो रहा है और बैन की मांग उठने लगी है। इस बीच फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से एक वीडियो मैसेज के जरिए खास अपील की है। उन्होंने आग्रह किया है कि राज्य सरकार फिल्म पर बैन न लगाए और इसके शांतिपूर्ण स्क्रीनिंग की अनुमति दे।

अपने वीडियो संदेश में विवेक अग्निहोत्री ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी, ये वीडियो आपके लिए है। हमारी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' विश्व भर में रिलीज हो रही है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में इसे बैन कर दिया जाएगा। थिएटर मालिक मुझसे कह रहे हैं कि उन पर इतना राजनीतिक दबाव है कि वे फिल्म दिखाने से डर रहे हैं। इसी दबाव के कारण 16 अगस्त को फिल्म का ट्रेलर भी सिनेमाघरों में नहीं दिखाया गया। हमने एक होटल में ट्रेलर दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे रोक दिया। अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी से आग्रह करते हुए कहा, ''आपने भारत के संविधान की शपथ ली है और हर नागरिक के विचारों को व्यक्त करने के अधिकार की रक्षा करने की भी शपथ ली है। इस फिल्म को भारतीय सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) की मंजूरी मिल चुकी है, जो कि एक सरकारी तंत्र का हिस्सा है। इसलिए ये

आपका संवैधानिक दायित्व है कि इस फिल्म को शांतिपूर्वक रिलीज करने की जिम्मेदारी लें।'' फिल्म के विषय को लेकर अग्निहोत्री ने कहा कि यह 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली नरसंहार पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास का एक बेहद दर्दनाक अध्याय है। उन्होंने कहा कि अगर नोआखाली जैसी घटना नहीं हुई होती तो शायद भारत का विभाजन भी नहीं होता।

उन्होंने सवाल उठाया कि, ''क्या कोई यहूदी बच्चा है, जो होलोकॉस्ट के बारे में नहीं जानता? क्या कोई अश्वेत बच्चा है, जो गुलामी के इतिहास से अनजान है? क्या कोई जापानी बच्चा है, जिसे हिरोशिमा और नागासाकी के परमाणु हमलों की जानकारी नहीं? तो, फिर हमारी पीढ़ी को नोआखाली और डायरेक्ट एक्शन डे के बारे में क्यों नहीं पता?'' विवेक ने बंगाल की सांस्कृतिक और क्रांतिकारी विरासत को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, बंगाल सिर्फ दर्द का नाम नहीं है। यहीं से भारत का पुनर्जागरण शुरू हुआ। स्वामी विवेकानंद, टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, सुभाष चंद्र बोस सब यहीं से निकले। लेकिन, ये भी सच है कि बंगाल ही एकमात्र राज्य है, जिसका दो बार विभाजन हुआ, 1905 और 1947 में। फिल्म के संभावित विरोध पर उन्होंने कहा कि 'द बंगाल फाइल्स' किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह फिल्म उनके खिलाफ है, जो इंसानियत के खिलाफ खड़े हुए और आज भी झूठ को जिंदा रखना चाहते हैं। अगर आप एक सच्ची भारतीय और बंगाली की तरह सोचेंगी, तो इस फिल्म को बैन नहीं बल्कि सैल्यूट करेंगी।''

अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी से अपील करते हुए कहा कि, ''अगर आज हम डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली की कहानी नहीं सुनाएंगे, तो कब सुनाएंगे? अगर सत्य से डर लगता है, तो आईना नहीं तोड़ा जाता। आईना तोड़ने से चेहरा नहीं बदलता।'' उन्होंने आखिर में कहा, ''अगर हिंदू इतिहास और नरसंहार का सच बोलना भारत में गुनाह है तो हां, मैं गुनाहगार हूं। आप सरकार हैं और मैं 'वी द पीपल' का सिर्फ एक नंबर आप जो चाहें सजा दे सकती हैं। वंदे मातरम।''

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में मंगलवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बड़ा बनना बड़ी बात नहीं है लेकिन हर परिस्थिति में और हर व्यक्ति के समक्ष अपने बड़प्पन को बनाए रखना बहुत बड़ी बात है।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा 7 सितम्बर को पैलेस ग्राउंड पर 'एक शाम श्री टॉडगढ़ भैरुजी के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। भजन संध्या में नागौर से महावीर सांखला एंड पार्टी एवं त्रिशा सुथार भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंडल के गौतम मांडोत ने टॉडगढ़ के काला गौरा भैरव पावन धाम के मुख्य उपासक विद्याप्रकाश पडियार, कपिल पडियार, रतनलाल सैन को टॉडगढ़ जाकर आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक वैष्णोदेवी लश ग्रीन्स के कटारिया परिवार है।

राग और द्वेष दोनों ही बंधन हैं : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि राग और द्वेष दोनों ही बंधन हैं। राग को सोने की जंजीर कह सकते हैं तो द्वेष को रस्सी का फंदा कह सकते हैं। इन बंधनों से मुक्त हुए बिना शाश्वत सुख की अनुभूति नहीं हो सकती है। संसार के सुख सुविधाएं भी बंधन हैं, क्योंकि ये सुविधाएं भौतिक आकर्षण बन जाती हैं और आत्मा की प्रगति में बाधा बन जाती हैं। संसार के विषय विकार बहुत ही आकर्षक होते हैं। इसके बावजूद कुछ आत्माएं अपने को समय पर सम्हाल लेती हैं और तप आदि से विकारों पर नियंत्रण कर लेती हैं। साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि जीवन में सत्संग का बहुत महत्व है। सत्संग में जीव प्रभु की वाणी सुनता है और फिर चिंतन करता है कि मेरा उद्देश्य और मंजिल क्या है। बिना लक्ष्य के सारी भागदौड़ निरर्थक है। इस संसार पर कषायों का साम्राज्य है। कषाय के जाल में उलझ कर हम अपनी मंजिल को ही भूल जाते हैं। मनुष्य जन्म एक अवसर होता है। सुनहरा अवसर पाकर भी हम सही पुरुषार्थ नहीं कर रहे हैं। यह जिनवाणी हमें बार बार नहीं मिलने वाली है।

नैतिक मूल्यों की बलि देकर सफलताओं का अर्थ नहीं : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में मंगलवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बड़ा बनना बड़ी बात नहीं है लेकिन हर परिस्थिति में और हर व्यक्ति के समक्ष अपने बड़प्पन को बनाए रखना बहुत बड़ी बात है। अक्सर तथाकथित बड़े लोग अभिमान में भरे होते हैं, उन्हें छोटे और सामान्य लोग दिखाई नहीं देते। उनकी झूठी सफलताओं की चकाचौंध में मानवता की छोटी सी लौ लेकर चलने वाले सामान्य लोग कहीं दब जाते हैं। पाखंड और आडंबर में उलझा आधुनिक समाज भी सामान्य लोगों की को कोई महत्व नहीं देता। लेकिन जैन इतिहास में ऐसे-ऐसे गौरवशाली लोग हुए हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर जीवन की सफलताएं प्राप्त कीं लेकिन उन्होंने किसी भी विषम परिस्थिति में अपनी उज्ज्वल धर्म परंपराओं और नैतिक मूल्यों के साथ कोई समझौता नहीं किया। तेरहवीं शताब्दी के गुजरात के महामंत्री वस्तुपाल और सेनापति तेजपाल पोरवाल जैन वंश के ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।

इन दोनों भ्राताओं ने आर्थिक गरीबी के बीच भी भीतर की अमीरी और स्वभाव की सरलता को कभी मरने नहीं दिया। अपनी भौतिक सफलताओं के लिए इन्हें देश-देशांतर में दर-दर भटकना पड़ा। फिर भी इन्होंने नीतिमत्ता, शालीनता, पापभीरुता, सज्जनता, दयालुता, उदारता और धार्मिकता जैसे जीवन के दुर्लभ गुणों को सदैव आचरण में रखा। यूं ही कोई व्यक्ति सत्वशाली या महान नहीं बन जाते, आदर्शों और संघर्षों के पथ पर चलते हुए जब पूरी उम्र खप जाती है, तब कहीं जाकर जीवन सत्वशाली बनकर निखरता है।ङ्गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि बुधवार को यहां जगद्गुरु आचार्य हीरविजयसूरि की 429 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मुगलकाल में हिंदुस्तान में हिंदू बने रहने के लिए लिया जाता जजिया टेक्स जैनाचार्य हीरविजयसूरीजी ने बादशाह अकबर को समझाकर माफ करवाया था। उन्होंने बड़े-बड़े जैन व हिंदू तीर्थों की रक्षा के लिए अकबर से पट्टे भी लिखवाकर लिए थे। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि बुधवार को 400 से अधिक श्रद्धालु आयंबिल का तप करेंगे।

दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन आरोहण एवं सरगम सेमीफाइनल सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन आरोहण-शिखर की ओर का आयोजन रविवार को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में ज्ञानज्योति आडिटोरियम में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। स्थानीय सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने दक्षिण की युवा शक्ति का स्वागत किया।

तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने स्वागत करते हुए परिषद के कृत कार्यों की झलक एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने सम्मेलन के विविध सत्रों की जानकारी दी। मुनि पुलकितकुमारजी ने कहा कि युवकों के भीतर जैनत्व के संस्कार पुष्ट होने चाहिए। जैनिज़्म में इतनी शक्ति है जिससे युवकों को दुःख मुक्ति का उपाय मिल सकता है। शिखर की ओर आरोहण करने के लिए मुनिश्री ने युवकों को चन्द्रमा जैसी शीतलता, सूर्य जैसी तेजस्विता की भावना से भावित करने की प्रेरणा दी। मुनि आदित्य कुमार जी ने 'हाउ टू इम्प्रूव योर वैल्यू' विषय पर सम्बोधित करते हुए युवकों को नई राह पर आरोहण करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने युवकों को अभातेयुप के आयामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर 'डिजिटल, डेलीगेट व डिसिप्लीन' नामक नए युग का व्यावसायिक मॉडल विषय पर पैनल चर्चा भी हुई जिसमें आदर्श रांका के संयोजन में जगदीश चंद्र शर्मा, विकास नाहर एवं अंकित फतेहपुरिया ने व्यावसायिक चुनौतियों को पार करने, कुछ नया और बड़ा करने के विभिन्न सूत्र प्रदान किए। अंत में पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित परिषदों को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक तरुण पटावरी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री प्रदीप चौपड़ा एवं संयोजक रोहित कोठारी ने किया। सायंकालीन सत्र में अभातेयुप के तत्वावधान में सरगम सेमीफाइनल भाग 2 का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से चयनित 9 प्रतिभागी टीमों ने हिस्सा लिया।

मुख्य प्रायोजक प्रकाशचंद दीपक विकास बाबेल व स्वर्णमाला अशोक पोकरणा परिवार का परिषद की ओर से सम्मान किया गया। 9 टीमों में से मुंबई की ताल तरंग, चेन्नई की समर्पण, सूरत की सुरों का नूर, बेंगलुरु की स्पंदन का फाइनल राउंड के लिए चयन हुआ। निर्णायक के तौर पर मीठालाल पावेचा एवं विकास पोरवाल ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रभारी अर्पित नाहर एवं आरजे मीत ने किया। इस मौके पर अनेक संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

धर्म के तीन स्तंभ अहिंसा, संयम और तप : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को कहा कि कर्मों की निर्जरा करने का सबसे अच्छा माध्यम है संयम। अहिंसा, संयम और तप करने वालों को देवता भी पूजते हैं। जहां ये तीन कर्तव्य होते हैं वहीं धर्म होता है। संयमी के समान संसार में कोई सुखी नहीं है। संयम बहुत सुखकारी है, इसको पाल सको तो पाल लो। यह कर्मों के बंध को तत्काल खत्म कर देता है। संयम से मनुष्य का कल्याण संभव है। संयम से बड़ा सुखकारी कुछ भी नहीं होता है। एक बार मनुष्य के जीवन में अगर संयम आ जाए तो उसका जीवन अपने आप ही कल्याण के मार्ग पर बढ़ने लगता है। कर्मों की निर्जरा करने का सबसे अच्छा माध्यम संयम है। दुनिया आनी जानी है। थोड़े दिन की ही जिंदगी है, इसलिए अभिमान में नहीं जीना चाहिए। संसार से एक दिन चले जाना है। संसार में संत हो, या भगवंत हो, सभी को एक दिन चले जाना है, इससे मनुष्य को प्रेरणा लेनी चाहिए। संसार के सभी जीव दुखी हैं। सभी को कोई न कोई समस्या जरूर है, लेकिन सच्चा संत सदा सुखी होता है। मिला तो भी राजी, नहीं मिला तो भी राजी होता है। ये सिर्फ संयम के माध्यम से ही संभव है। भगवान ने शरीर दिया है तो इसका सही उपयोग कर लेना चाहिए। हाथ मिला है तो दान करो, पैर मिला है तो धर्म कार्यों में लगो। इस अनमोल भव में आकर गलत काम करने के बजाय तीर्थ, दान, धर्म ध्यान करके जीवन को सफल कर लेना चाहिए। जो मानव इन मार्गों पर चलेगा उसका जीवन सफल हो जाएगा। संस्कार महिला मंडल अशोकनगर की रसीलाबाई मरलेचा समेत अन्य महिला पदाधिकारियों ने गुरुदर्शन किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

'आदर्श आकर्षण' प्रतियोगिता में 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन ने मंगलवार को अंतरस्कूलीय सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिता 'आदर्श आकर्षण' का आयोजन किया जिसमें संयोजिका मालती ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस मौके पर प्राचार्य डॉ एस. प्रशांत ने उपस्थित होकर अध्यक्ष के साथ दीप प्रज्वलन किया। संयोजिका मालती ने सभी प्रतिभागियों व विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

डॉ एस. प्रशांत ने सभी का स्वागत करते हुए सफलता के गुर बताए। इस सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिता में लगभग 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विजेताओं को ट्रॉफी व पदक वितरित किए गए। दिव्या ने सभी को धन्यवाद दिया।

सहनशीलता सुखी जीवन का मूलमंत्र : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजीने उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से विवेचना करते हुए कहा कि सहनशीलता का गुण सुखी जीवन का मूल मंत्र है। संसार में जिसे सहना आ गया, समझो उसे हकीकत में रहना आ गया। उन्होंने कहा कि सहनशक्ति, सहनशीलता की कमी होने के कारण आज हम संसार में देखते, पढ़ते हैं कि पति-पत्नी में ज़रा सी बात में मामला तलाक़ तक पहुंच जाता है, जिससे संतान पर भी अपने भविष्य निर्माण का संकट खड़ा हो जाता है और देखते ही देखते एक खुशहाल, समृद्ध शान्त परिवार बिखर जाता है।

वहीं अगर दोनों पक्ष ज़रा सी बुद्धिमानी से काम लें और थोड़ा थोड़ा दोनों सहनशीलता दिखलाते हुए आपस में प्रेम सौहार्दपूर्ण तरीके से समस्या का हल निकाला जा सकता है और घर परिवार की एकता भी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हर जगह अपने आपको ही सही साबित करने की कोशिश न करें।

आपकी ज़िन्दगी आपकी ही है, इसमें हार जीत जैसा कुछ भी नहीं है। आज हर जगह घर परिवार में, परस्पर, सास बहू, देवरानी जेठानी, भाई भाई के संबंध आत्मीयतापूर्ण नहीं रहे। एक सहनशक्ति के अभाव में सारे सम्बन्धों में दूरियां बढ़ जाती हैं। अपने को ही श्रेष्ठ समझने की जगह सब परस्पर सहयोग, प्रेम, आदर-सम्मान भाव से काम करते हुए सहनशील बन जाएं तो फिर वह घर परिवार स्वर्ग से सुन्दर बन जाता है। उन्होंने कहा कि साधना के साथ समाधि भाव चाहिए तो सहन करना ही पड़ेगा।

श्री शालिभद्र मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए 18 दिवसीय पुण्य निदान तप की जानकारी दी। साध्वी समृद्धिश्रीजी ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में गुणग्राहकता का गुण अपनाना चाहिए । स्व का निरीक्षण करें।

दूसरों के दोषों को नहीं देख कर स्वयं के दोषों का चिंतन करें तभी आपका मानव जीवन सफल बन सकता है। साध्वी समीक्षाश्री जी ने भी गीतिका प्रस्तुत की। धर्म सभा में गुरुदेव के वीर भ्राता नरेंद्र लोढ़ा का समिति की ओर से सम्मान किया गया।

'तप, त्याग, सरलता व ज्ञान की प्रतिमूर्ति थीं साध्वी चम्पाश्री'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में संतश्री मलयप्रभसागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्रीजी की निश्रा में मंगलवार को जिनशासन की महान साध्वी चम्पाश्रीजी की 38 वीं पुण्यतिथि गुणानुवाद सभा के साथ मनाई गई। मलयप्रभसागर जी ने साध्वी चम्पाश्रीजी के जीवन पर एक ग्रंथ का प्रकाशन करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उनकी वाणी सरल व मधुर थी, इसका कारण यही था कि उनकी करणी और कथनी में अन्तर नहीं था। साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि साध्वी चम्पाश्रीजी सागर जैसी गंभीर होते हुए भी उनके चेहरे पर मंद मंद मुस्कान झलकती थी। वे तप, त्याग, सरलता व ज्ञान की प्रतिमूर्ति थीं। ङ्गट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि चम्पाश्रीजी एक महान प्रतिभाशाली आत्मा थीं, जिनके अप्रमत्त जीवन में अलौकिक तेज था। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि प्रतिदिन उनका जीवन अरिहंत जाप में ही बीतता था। ललित डाकलिया ने संचालन करते हुए कहा कि उनकी वाणी में सत्य की सौरभ थी।

उन्होंने हमेशा जयणा का पालन किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, राजेन्द्र गुलेच्छा, गौतम बाफना ने गुरुवर्या जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। अनेक श्रद्धालुओं ने उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए। अड़तीसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर साध्वीश्री ने अड़तीस सदस्यों को उपहारस्वरूप अड़तीस दिनों के नियम प्रदान किए।

संस्कार महिला मंडल द्वारा गुरु दर्शन यात्रा संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शूले स्थित संस्कार महिला मंडल ने मंगलवार को स्थानीय गुरु दर्शन यात्रा संघ का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्ष रसीलाबाई मरलेचा, मंत्री किरण बाई मेहता, कोषाध्यक्ष नंदाबाई चोपड़ा, धारीवाल बहू बेटी मंडल की संयोजिका आशा गादिया, साधुमार्गी महिला मंडल की चंचलबाईं चोपड़ा, सुधर्मा श्राविका मंडल की ललिताबाई कोठारी, रत्न हितैषी महिला मंडल की शोभाबाईं खींचा, जैन कान्फ्रेंस महिला मंडल की माया कोठारी, जीतो महिला विंग की मधुबाई दुधेड़िया आदि सदस्याएं गुरु दर्शन यात्रा में शामिल हुई जिन्होंने यलहंका में विराजित ज्ञानमुनिजी, संजयनगर में विराजित बसंत मुनि जी, मागड़ी रोड स्थित पुष्कर धाम में विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, चामराजपेट में विराजित नवरतनमुनिजी, त्यागराजनगर में विराजित महासती स्वागतश्रीजी, जयनगर में विराजित साध्वी कंचन कंवरजी और विल्सन गार्डन के जैन स्थानक भवन में विराजित आगमश्रीजी के दर्शन, वंदन और प्रवचन का लाभ लिया।

गादिया फिर बने कर्नाटक हायर परचेज एसोसिएशन के अध्यक्ष, छाजेड़ बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक हायर परचेज एसोसिएशन की साधारण सभा रविवार को एक होटल में सम्पन्न हुई जिसमें नए पदाधिकारियों के चयन के लिए मनोज कुमार सोलंकी को नियुक्त किया। बैठक में नई कार्यकारिणी समिति में भंवरलाल गादिया अध्यक्ष तथा विजयराज छाजेड़ मंत्री पद के लिए पांचवीं बार निर्विरोध निर्वाचित हुए। राजेन्द्र सेठिया, आनन्द चोरड़िया व मंगलचन्द बोहरा को उपाध्यक्ष, कुशलकुमार डोसी व विनोद पोरवाल को सहमंत्री, महेन्द्र देवड़ा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। भरत रांका, अशोक कोठारी, राजेश मकाना, सज्जन बोहरा, किरण कोठारी, दिलीप ओस्तवाल व प्रशांत पगारिया को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बुल्ला एक्जिक्यूटिव कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता संजय सेठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष भंवरलाल जैन ने सभी का स्वागत किया। सचिव विजयराज छाजेड़ ने एसोसिएशन की गतिविधियों की रिपोर्ट पढ़ी। कोषाध्यक्ष महेन्द्र देवड़ा ने विगत वर्ष का आय-व्यय का विवरण दिया। सहसचिव ने धन्यवाद दिया। सभा का संचालन अशोक कोठारी ने किया । इस मौके पर सदस्यता प्रमाणपत्र एवं व्यवसाय में सहायक हो वैसी कानूनी स्पष्टीकरण फाइल का विमोचन कर वितरण किया गया।

पद ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पद ग्रहण : बेंगलूरु के भीम आर्मी द्वारा गांधी भवन में आयोजित पद ग्रहण समारोह में पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक नरेंद्र बाबू व विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत।

बाढ़ के बाद करतारपुर गलियारा परिसर मरम्मत कार्य के कारण श्रद्धालुओं के लिए बंद

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित पवित्र सिख तीर्थस्थल पर मरम्मत कार्य के कारण करतारपुर गलियारा परिसर, श्रद्धालुओं के लिए बंद है। हाल में यह परिसर बाढ़ में जलमग्न हो गया था। आधिकारिक मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' की खबर में बताया गया, पाकिस्तानी सेना और नागरिक प्रशासन ने पिछले सप्ताह बाढ़ से प्रभावित करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में मरम्मत कार्य जारी रखा है। पिछले सप्ताह, पंजाब सरकार ने दावा किया था कि करतारपुर साहिब गलियारा और गुरुद्वारा दरबार साहिब से बाढ़ का पानी हट गया है और इस सप्ताह की शुरुआत में इसे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। सेना प्रमुख असीम मुनीर ने दरबार साहिब का दौरा किया था और अधिकारियों से यहां मरम्मत का काम करने का आग्रह किया था।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com